दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 239 | ग्वालियर शनिवार 5 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

भले ही कर्ज लेना पड़े पर किसानों के नुकसान की भरपाई करूँगा : मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री चौहान ने गैरतगंज में किसानों से की चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि चाहे उन्हें कर्ज लेना पड़े, वे किसानों के नुकसान की भरपाई राहत की राशि और फसल बीमा से करेंगे। मुख्यमंत्री शुक्रवार को गैरतगंज में प्रभावित फसलों का जायजा लेने के बाद किसानों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सिलवानी के विधायक श्री रामपाल सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों से कहा कि लगता है ईश्वर ने उन्हें कोरोना से लड़ने और किसानों के दुख-दर्द दूर करने के लिए ही फिर मुख्यमंत्री बनाया है। उन्होंने किसानों से कहा कि आंखों में आंसू मत लाना, मैं परिश्रम की पराकाष्ठा करके आपको संकट से पार निकालकर ले जाऊंगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ सोयाबीन और उड़द फसलों में लगे यलो-मौजिक रोग के चलते फसलों के नुकसान का खेतों मे जाकर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने जिला-प्रशासन को निर्देश दिए कि सर्वे का काम शीघ्र करें और किसी भी प्रकार की हड़बड़ी न हो इसका भी विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रभावित किसान फसलों के सर्वे के बाद राहत और बीमा राशि से वंचित नहीं रहे। सर्वे में पंचायत के 5 सदस्यों को भी रखें जिससे कोई गड़बड़ी नहीं हो। उन्होंने बेगमगंज और सिलवानी के किसानों को आश्वस्त किया कि पूर्व में हुई गड़बड़ी की जांच के साथ इस बार पारदर्शी तरीके से सर्वे होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनकी सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद के साथ ही गरीब किसानों की मदद में सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रही है। दिन-रात एक करके पिछले हफ्ते ही बाढ़ में फंसे 13 हजार लोगों की जान बचाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायसेन जिले का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा और हजारों की संख्या में शीघ्र ही राशन पर्ची देकर राशन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना से प्रभावित ग्रामीण छोटे व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उन्हें मुख्यमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना से 10 हजार की रकम दिलाई जाएगी और उसकी गारंटी वे स्वयं लेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गैरतगंज से लगे ग्राम सहजपुर के खेतों मे पहुँचकर यलो-मौजिक रोग से प्रभावित हुई सोयाबीन फसल का जायजा लिया। श्री चौहान को कृषि अधिकारियों ने बताया कि लगातार 3 हफ्ते से बारिश नहीं होने के कारण यह प्रकोप हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कृषक श्री महेंद्र यादव को भी सांत्वना दी और कहा कि आंखों में आंसू मत लाना, सरकार और मैं आपको इस संकट से पार निकालेंगे। उन्होंने मौके पर उपस्थित किसानों को हरसम्भव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों के भारी-भारी बिजली के बिल उन्होंने स्थगित कर दिये हैं और इस माह से माहवार नये बिल आएंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण की सभी योजनाएं बंद कर दी गई थीं, संबल सहित ऐसी सभी योजनाएं फिर से शुरू कर दी गई हैं। श्री चौहान ने कहा कि अब किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायसेन में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की किश्त जमा करने की तारीख अब 7 सितम्बर कर दी गई है। विधायक श्री रामपाल सिंह ने तिथि बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को संबोधित करते हुये कहा कि कोरोना से जंग के लिए प्रदेश में लैब से लेकर आक्सीजन, दवाई, वेंटिलेटर और अस्पताल आदि की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अब इस संक्रमण से लड़ सकेगा। नागरिक इससे घबरायें नहीं, सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य के बेहतर संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याओं से भी रूबरू हुए।

मॉनसून सत्र में 30 मिनट के प्रश्नकाल की दी इजाजत

नई दिल्ली । संसद के मॉनसून सत्र में प्रश्नकाल के निलंबन को लेकर विपक्ष के विरोध के बाद अब 30 मिनट तक सवाल पूछने की इजाजत दी गई है। इससे पहले आगामी संसद सत्र में प्रश्नकाल के निलंबन की बात कही गई थी। बता दें कि संसद के दोनों सदन में एक घंटे का प्रश्नकाल होता है जिसमें सवाल किया जाता है। लेकिन इस बार कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए प्रश्नकाल के समय को निलंबित कर दिया गया था। प्रश्नकाल के निलंबन के बाद विपक्ष लामबंद हो गया है विरोध शुरू हो गया था। प्रश्नकाल के निलंबन को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर तीखा हमला बोला था और आरोप लगाया कि यह विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास है। मुख्य विपक्षी कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया था कि प्रश्नकाल का निलंबन करके लोकतंत्र का गला घोटने औ र संसदीय प्रक्रिया को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। हम इसका संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह पुरजोर विरोध करेंगे। विपक्ष के विरोध के बाद अब सरकार ने संसद में प्रश्नकाल के लिए 30 मिनट का समय निर्धारित किया है। प्रश्नकाल नहीं चलाने को लेकर विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए सरकार के सूत्रों ने कहा था कि पहली बार ऐसा नहीं हो रहा कि किसी सत्र में प्रश्नकाल नहीं चलेगा। 2004 और 2009 में भी प्रश्नकाल नहीं हुआ था। इसके अलावा विभिन्न कारणों से 1991 में और उससे पहले 1962, 1975 तथा 1976 में भी प्रश्नकाल नहीं हुआ था। राज्यसभा के एक विश्लेषण में सामने आया है कि पिछले पांच साल में प्रश्नकाल के 60 प्रतिशत समय का इस्तेमाल नहीं किया गया और केवल 40 प्रतिशत समय का उपयोग किया गया। राज्यसभा के एक विश्लेषण में सामने आया कि पिछले पांच साल में प्रश्नकाल के 60 प्रतिशत समय का इस्तेमाल नहीं किया गया और केवल 40 प्रतिशत समय का उपयोग किया गया। सूत्रों ने कहा कि पहली बार 1975 और 1976 में आपातकाल के दौरान प्रश्नकाल नहीं हुआ था।

चीनी समकक्ष की उपस्थिति में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

शांति के लिए विश्वास होना आवश्यक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि एससीओ क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए विश्वास का माहौल, गैर-आक्रामकता, अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति सम्मान तथा मतभेदों का शांतिपूर्ण समाधान आवश्यक है। उनके इस बयान को पूर्वी लद्दाख में भारत के साथ सीमा विवाद में संलिप्त चीन को परोक्ष संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। रूस की राजधानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक मंत्री स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने द्वितीय विश्व युद्ध का भी उल्लेख किया और कहा कि उसकी स्मृतियां दुनिया को सबक देती हैं कि एक देश की दूसरे देश पर 'आक्रमण की अज्ञानता' सभी के लिए विनाश लाती हैं। भारत और चीन दोनों ही देश आठ सदस्यीय क्षेत्रीय समूह का हिस्सा हैं जो मुख्य रूप से सुरक्षा और रक्षा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देता है। सिंह ने कहा, ''एससीओ के सदस्य देशों, जहां दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी रहती है, के शांतिपूर्ण, स्थिर और सुरक्षित क्षेत्र के लिए विश्वास और सहयोग, गैर-आक्रामकता, अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों के लिए सम्मान, एक दूसरे के हितों के प्रति संवेदनशीलता तथा मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत है।'' उन्होंने ये बयान चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेइ फेंगहे की मौजूदगी में दिये। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में कई जगहों पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच चार महीने से गतिरोध की स्थिति है। पांच दिन पहले चीन ने पैंगोंग झील के दक्षिणी तटीय क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की असफल कोशिश की थी जिसके बाद तनाव और बढ़ गया। सिंह ने कहा, ''इस साल द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ है।

नारकोटिक्स ब्यूरो ने रिया के घर पर छापा मारा

मुंबई। (सन्मार्ग लाइव) अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़ी मादक पदार्थों की तस्करी की जांच के सिलसिले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शुक्रवार सुबह अभिनेता की प्रेमिका रही अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के आवास पर छापा मारा। एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि विभाग के एक अन्य दल ने सुशांत सिंह राजपूत के मैनेजर सैमुअल मिरांडा के घर पर भी छापा मारा। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों ने बताया कि एनसीबी मादक पदार्थ नियंत्रण कानून (एनडीपीएस) के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान में जुटा है। एनसीबी के उप निदेशक केपीएस मल्होत्रा ने मीडिया को बताया, यह एक प्रक्रियात्मक मामला है जिसका हम पालन कर रहे हैं। रिया और सैमुअल मिरांडा के घर पर छापे मारे गये हैं। गौरतलब है कि एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शौविक और सैमुअल मिरांडा के मोबाइल फोन चैट और संदेशों में मादक पदार्थों के इस्तेमाल और उनकी खरीद-फरोख्त से जुड़े संकेत मिलने के बाद इस मामले में उनकी भूमिका को जांच के दायरे में लाया। एनसीबी ने अभिनेता के पैसों के हेरफेर और घपले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया।

सेना में महिला अफसरों के स्थायी कमीशन की अर्जी पर विचार से शीर्ष कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। देश की सर्वेच्च अदालत की ओर से निर्धारित तारीख 17 फरवरी के बाद सेना में 14 साल की नौकरी पूरी करने वाली महिला सैन्य अधिकारियों को स्थायी कमीशन के लाभ प्रदान करने की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि महिला अधिकारियों की ओर से मांगी राहत एक तरह से उसके फैसले पर पुनर्विचार करना है और यदि वह इसकी अनुमति देता है तो अधिकारियों के दूसरे बैच भी इसी तरह की राहत मांग सकते हैं। न्यायालय ने 17 फरवरी को अपने ऐतिहासिक फैसले में केंद्र को सभी सेवारत एसएससी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने पर तीन महीने के भीतर विचार करने का निर्देश दिया था चाहें वे 14 साल की सेवा की सीमा पार कर चुकी हों या सेवा के 20 साल। शीर्ष अदालत ने कहा था कि एक बार के उपाय के रूप में पेंशन योग्य सेवा की अवधि 20 साल तक पहुंचने का लाभ उन सभी मौजूदा एसएससी अधिकारियों को मिलेगा जो 14 साल से ज्यादा समय से सेवारत हैं।

भर्ती और रोजगार से जुड़ी युवाओं की समस्याओं का समाधान करे सरकारः राहुल

नई दिल्ली। देश में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) तथा कुछ अन्य परीक्षाओं के परिणाम में कथित विलंब को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को युवाओं के रोजगार से जुड़ी इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, 'मोदी सरकार, रोज़गार, बहाली, परीक्षा के परिणाम दो, देश के युवाओं की समस्या का समाधान दो।' इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, '2017- एसएससी सीजीएल (संयुक्त स्नातक स्तर) की भर्तियों में अभी तक नियुक्ति नहीं हुई। 2018- सीजीएल परीक्षा का परिणाम तक नहीं आया।

चुनाव आयोग का फैसला, 65 लंबित उपचुनावों और बिहार विधानसभा चुनाव एक समय में

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को कहा कि 65 लंबित उपचुनावों और बिहार विधानसभा चुनाव ''लगभग एक ही समय कराने का फैसला किया है। विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में 64 सीटें रिक्त हैं, जबकि लोकसभा की एक सीट रिक्त है। आयोग के बयान में कहा गया है,इन्हें एक साथ कराने का एक बड़ा कारण केंद्रीय बलों के आवागमन में सुगमता और साजो सामान से जुड़े मुद्दे हैं।बिहार विधानसभा का कार्यकाल 29 नवंबर को समाप्त हो रहा है और चुनाव अक्टूबर-नवंबर में कभी भी होने की संभावना है। बयान में कहा गया है,आयोग ने सभी 65 उपचुनावों और बिहार विधानसभा चुनाव लगभग एक ही समय कराने का फैसला किया है...बिहार विधानसभा चुनाव और इन उपचुनावों के कार्यक्रम की घोषणा आयोग द्वारा उपयुक्त समय पर की जाएगी।उल्लेखनीय है कि भारी बारिश और कोविड-19 के चलते हाल ही में कई उपचुनाव टालने पड़ गए है।

लद्दाख में बोले सेना प्रमुख,

एलएसी पर स्थिति थोड़ा तनावपूर्ण, सैनिक तैयार

नई दिल्ली। भारत-चीन के मध्य सीमा पर तनातनी के बीच सेना की तैयारियों का जायजा लेने लद्दाख पहुंचे सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने कहा कि हम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। सेना प्रमुख नरवणे ने कहा कि अभी वहां (एलएसी) हालात काफी नाजुक बने हुए हैं और एहतियात के तौर पर सेना को तैनात किया गया है। साथ ही आर्मी चीफ ने यह भी कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि इस सीमा विवाद को बातचीत से सुलझाया जा सकता है। सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा कि कल लेह पहुंचने के बाद मैंने अलग-अलग जगहों पर ऑफिसर्स से बात की और स्थिति का जायजा लिया। जवानों का मनोबल बहुत ऊंचा है वो हर चुनौती का सामना करने को तैयार हैं। मैं यकीनन कह सकता हूं कि हमारे जवान न केवल भारतीय सेना बल्कि देश का भी नाम रोशन करेंगे। एमएम नरवरणे ने बताया कि वह गुरुवार को लेह पहुंचे थे। वहां उन्होंने ऑफिसर्स और जेसीओ से बात की। देखा कि जवानों का मनोबल काफी ऊंचा है। नरवणे ने आगे कहा कि जवान हर स्थिति को तैयार हैं। वह बोले, 'मैं इस बात को फिर दोहराना चाहूंगा कि हमारे ऑफिसर्स, जवान दुनिया में सबसे बेहतर है. सिर्फ सेना नहीं बल्कि पूरे देश को इनपर गर्व है।' सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा कि कल लेह पहुंचने के बाद मैंने अलग-अलग जगहों पर ऑफिसर्स से बात की और स्थिति का जायजा लिया। जवानों का मनोबल बहुत ऊंचा है वो हर चुनौती का सामना करने को तैयार हैं। मैं यकीनन कह सकता हूं कि हमारे जवान न केवल भारतीय सेना बल्कि देश का भी नाम रोशन करेंगे। बता दें कि पैंगोंग के दक्षिणी इलाके में हुए 29-30 अगस्त को सेना की कार्रवाई के बाद उनका यह दौरा अहम माना जा रहा है। इधर पैंगोंग के उत्तर में भी तनाव बढ़ा है। दोनों देशों की सेनाएं बात कर तनाव घटाने की कोशिश में जुटी हैं, लेकिन बॉर्डर टेंशन बढ़ी है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

रेत का धंधा बचाओ यात्रा निकाल रहे डॉ गोविंद सिंह एंड कंपनी : डॉ रमेश दुबे

पत्रकार वार्ता में भाजपा नेता रमेश दुबे बोले यह पब्लिक है सब जानती है,कसाई बकरे की खैर मांगे

भिंड(अर्पित गुप्ता)

भाजपा नेता रमेश दुबे ने अपने निवास स्थान पर आएगी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री लहार से कांग्रेसी विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह द्वारा नदी बचाओ यात्रा पर बोलते हुए कहा यह यात्रा नदी बचाओ नहीं धंधा बचाओ है इस तरह की नौटंकी करना उनकी संस्कृति मी में ही है रेत के अवैध धंधों में वे स्वयं और उनके माध्य पूर्ण रूप से संगलन है । भाजपा नेता रमेश दुबे ने अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि भिंड जिले के लहार से लगातार विधायक चुनने वाले डॉ गोविंद सिंह ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के खेतों को चिन्हित करने वाली जीवन रेखा सिंध नदी को रेत खदान कर्ताओं को संरक्षण देकर खोकला करवा दिया है । उन्होंने कहा जब प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खदान माफियाओं पर नकेल कसी तो डॉक्टर गोविंद सिंह के लोगों का रेट का धंधा बंद होता नजर आने लगा इस कारण लहार विधायक रेट का धंधा बचाव यात्रा के नाम पर नदी बचाओ यात्रा निकाल रहे हैं जो कि भिंड जिले और लहार की ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश की जनता के साथ राजनीतिक नौटंकी करने का षड्यंत्र रचा रहे हैं । उन्होंने कहा आगामी 5 दिसंबर 2020 को भिंड जिले में निकाली जाने वाली यात्रा रेत का धंधा बेचने वाली यात्रा है डॉक्टर दुबे ने कहां की भिंड दतिया के इतिहास में रेत माफियाओं के सबसे बड़े सरदार डॉक्टर गोविंद सिंह है कंपनी कोई भी आए रेट का धंधा डॉक्टर गोविंद सिंह के लोग ही करेंगे। भाजपा नेता दुबे ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी रेट के सबसे बड़े संरक्षक देता है ऐसा मध्य प्रदेश शासन के तत्कालीन वन मंत्री उमंग सिंगार ने प्रेस के सामने बोलते हुए कई उदाहरण दिए थे । दुबे ने कहा भिंड में दिग्विजय सिंह के सबसे खास डॉक्टर गोविंद सिंह के हितों पर चोट न पहुंचे इसे लेकर नदी बचाओ का शोर किया जा रहा है । भाजपा नेता दुबे ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है की कांग्रेश के शासनकाल में जिस तरह अपने खास लोगों को गलत तरीके से लाभ पहुंचाया गया इसका एक उदाहरण टाटा हिटैची क्रमांक 5200-53411 मैसेर्स इस्टीम इंफ्राबिल्ड का है जो 22 05 2017 को 34,50,000/- के जुर्माने के साथ पकड़ी गई और दिनांक 13/02/2020 को कांग्रेस सरकार ने 1,50,000/- रुपए जुर्माने में छोड़ी गई । उन्होंने पूर्व मंत्री कांग्रेस विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह जी से पत्रकार वार्ता में जवाब मांगा कि वह जवाब दें हिटैची मशीन किसकी है? भाजपा नेता दुबे ने स्पष्ट किया यह हिटैची मशीन राम शंकर अध्यक्ष ठाकुर से मथुरा सिंह कृषि है उत्पादन सहकारी समिति लहार जिला भिंड की है जोकि डॉक्टर गोविंद सिंह के बहुत बड़े कार्य करता है उन्होंने कहा कि डॉक्टर गोविंद सिंह स्पष्ट करें लव कुश गुर्जर पुत्र बाबू सिंह बड़े तार रिंकू गुर्जर पुत्र हरनाम सिंह मटियावली सुनील सिंह मडेयन शिशुपाल गुर्जर मटियावली अभिलाख सिंह पुत्र सरनाम सिंह शिवकुमार सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह चाचीपुरा मुन्ना तेजा अजनार मोनू तोमर पुत्र सुरजीत तोमर कोकसिंह पुत्र सुजान सिंह लहारा सरपंच सहित मटियावली अजनार गुरीरा बड़ेतर घोर पर्रायच मडोरी रोहानी सहित पूरे इलाके में इंद्रजीत के ठेकेदारों का संरक्षण दाता कौन है ? भाजपा नेता दुबे ने कहा पिछले कई वर्षों से अवैध उत्पादन की आवाज उठाता आया हूं और आज भी उठा रहा हूं पर डॉ गोविंद सिंह जो प्रत्यक्ष कपड़े अप्रत्यक्ष रूप में स्वयं इस धंधे में लिप्त हैं यह शोभा नहीं देता यह तो कहावत चरितार्थ करती है की कसाई बकरे की खैर मांगे। पत्रकार वार्ता में भाजपा के वरिष्ठ नेता मध्यप्रदेश विधि प्रकोष्ठ के प्रांतीय सह संयोजक वरिष्ठ अभिभाषक राममिलन शर्मा एडवोकेट अनिल कटारे रामदास स्वामी एडवोकेट राहुल भारद्वाज आनंद भारद्वाज शिव प्रताप सिंह कुशवाह कुलदीप सिंह कुशवाह विशेष रूप से मौजूद थे ।

कांग्रेस में कार्यकर्ता का सम्मान नहीं भाजपा ने पूर्व दिया सम्मान-दुबे

भाजपा नेता रमेश दुबे ने पत्रकारों के समक्ष कहा कि कांग्रेस में 30 साल तक में रहा लेकिन कार्यकर्ताओं की कोई अहमियत नहीं पहचानी गई और ना ही उनका कोई सम्मान किया गया मात्र राजनीति को विषय के रूप में कांग्रेस ने बदला भारतीय जनता पार्टी ने हमें पूर्ण सम्मान देकर आगे बढ़ाने का काम किया है 7 हम सब एकजुट होकर गोहद और मेहगांव में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत के साथ जिता कर प्रदेश में विकास के लिए मान और सम्मान के लिए शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार को मजबूती प्रदान करेंगे हमारी टीम पूर्ण रूप से दोनों विधानसभाओं के लिए कमर कसकर तैयार हो चुकी है 7

प्राणों से भी ज्यादा महत्व है पेड़ पौधे :- विश्नोई

पर्यावरण संजीवनी संस्थान एवं नवयुवाओं ने अमृता देवी विश्नोई की याद में 363 पौधरोपण में किया बिलाडा क्षेत्र के तिलवासनी ग्राम में पर्यावरण संजीवनी संस्थान एवं तिलवासनी ग्राम की ओर से पेड़ो की रक्षार्थ की खातिर शहीद हुए खेजड़ली में 363 एवं तिलवासनी में 3 शहीदों की स्मृति में नेतु ,मोटोजी एवं खिवनी तिलवासनी शहीद स्थल गजराली नाडी के पास अमृता देवी विश्नोई सहित 363 प्लस 3शहीदों की स्मृति में विशाल पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम बालाजी कट्रक्शन ग्रुप के हनुमान धायल ने बताया कि जोधपुर की सम्भाग की अग्रणी पर्यावरण संजीवनी संस्थान एवं ग्रामीणों की ओर से तिलवासनी पावन भूमि पर विशाल पौधरोपण किया गया। धायल ने यह भी कहा कि हमें अपने प्राणो से भी ज्यादा पेड़ पौधों को महत्व देना चाहिए संस्था के सरक्षक कांनाराम पितावत ने कहा कि 100 यज्ञ के बराबर है एक पेड़ लगाना पेड़ो से हमे कई प्रकार के फल, फूल एवं शुद्ध आक्सीजन मिलती है इस कार्यक्रम में तिलवासनी नवयुवक मंडल ने नीम, खेजड़ी, गुलमोहर ,पीपल, ,बरगद,शीशम,सहित विभिन्न प्रकार के पोधे लगाकर उनके सरक्षंण का जिम्मा लिया। भामाशाह ने दिया बाद चढ़कर शहयोग हनुमान धायल ने 51 हजार रुपये के ड्रीप सिस्टम लगाने की घोषणा की,साथ ही क्षेत्र की पर्यावरण संजीवनी संस्थान ने 250 पोधे दिए और ग्राम से कई भामाशाहों ने बढ़ चढ़कर राशि दी । इस मौके पर पर्यावरण संजीवनी संस्थान के सरक्षक कांनाराम पितावत ,अध्यक्ष गोविंद सीरवी ,बालाजी क्ट्रक्शन कंपनी के हनुमान धायल,बालाजी कण्टक्शन ,ग्राम सेवक महेश विश्नोई ,सोमराज विश्नोई,प्रफुल्ल आगलेचा छात्र प्रतिनिधि ,बाबूलाल नैन, खिवराम जाणी, बाबू लाल नैन ठेकेदार,ओपराम खोखर, राजूराम सारण, श्याम ठेकेदार, दिनेश आगलेचा एव समस्त नवयुवक मंडल तिलवासनी मोके पर मौजूद थे ।

शिवसेना की रोजगार पर ठोस नीति बनाने की अपील पकोड़े और शराब बेचने से नहीं मिलेगा बेरोजगारी से छुटकारा : साहनी

जम्मू -- शिवसेना बाला साहेब ठाकरे जम्मू-कश्मीर इकाई ने बढ़ती बेरोजगारी को दूर करने को लेकर ठोस नीति बनाए जाने की मांग को लेकर है धरना प्रदर्शन करते हुए ÷पकौड़े और शराब बेचने÷ से बेरोजगारी दूर करने के प्रयासों की कड़ी अलौचना की । प्रदेशाध्यक्ष मनीश साहनी की अध्यक्षता में आज दर्जनों शिव सैनिकों ने , युवाओं के रोजगार को लेकर कारगर नीति बनाने एवं लागू करने की मांग की गई। मनीश साहनी ने प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के पकोड़ा बेचने को रोजगार बताने के वयकतव को याद करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में लागू आबकर नीति में बेरोजगारों को शराब बेचने के लिए 2 लाख की छूट का प्रावधान है । साहनी ने व्यंग भरे लहजे में कहा कि पकोड़े के बाद अब शराब बेचकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास आजमाएं जा रहे है । साहनी ने कहा युवाओं की इस समस्या को दूर करने के लिए मोदी सरकार को कोई ठोस नीति लागू करनी होगी साहनी ने कहा कि शराब की कीमतों में कमी और छूट की घोषणा करने के बजाय , सरकार को उन शिक्षित बेरोजगारों के लिए एक रणनीतिक नीति तैयार करनी चाहिए , जो नौकरियों की चाह में अंधकार में पल रहे हैं। साहनी ने कहा, ÷सरकार को विभिन्न विभागों में सभी खाली पदों को तुरंत भरना चाहिए ।साहनी ने कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के युवाओं को अंधकारमय भविष्य के सिवा कुछ नहीं मिला है । उन्होंने कहा कि रोजगार को लेकर सरकार का रवैया युवाओं को सड़कों पर आने को मजबूर कर रहा है । इस मौके पर अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर , कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी गुप्ता, महासचिव विकास बख्शी , उपाध्यक्ष हर्ष गुप्ता, सोफिया सागू, सचिव राज सिंह,, सहसचिव राजू सलारिया, मंगू राम , संजीव सूदन, गीता रानी, लब्बा राम, डिम्पल उपस्थित हुए।

हादसों को न्योता देती सुंदरबनी लंमन दुर्गा माता मंदिर सड़क

सुंदरबनी (रोहित उप्पल)। जिला रजौरी उपजिला सुंदरबनी में सड़कों की खस्ता हालत को देखते हुए लोगों ने आपत्ति जताई । वही सुंदरबनी से लगभग तीन किलोमीटर दूर लमन गांव वासियों ने वीरवार को पीडब्ल्यूडी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । स्थानीय निवासियों सर्वजीत शर्मा, चंपा देवी, बिट्टू राम शर्मा, आशु शर्मा, साक्षी शर्मा ने विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज से कुछ महीनों पहले सड़क का टेंडर हुआ था कि वह सड़क को ब्लैक टॉप कर पक्का कर दिया जाएगा ।लेकिन लापरवाह विभाग और सोया हुआ प्रशासन हादसों के इंतजार में बैठा हुआ था जैसे कि दो दिन पहले वहीं की ही स्थानीय निवासी महिला का स्कूटी से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे सुंदरबनी उपजिला अस्पताल से डॉक्टरों द्वारा जीएमसी जम्मू के लिए रेफर कर दिया गया कारण बना कच्ची पथरो वाली आधी अधूरी सड़क । 900 मीटर की रोड को बनाने के लिए विभाग ने लगभग कई महीनों से भी अधिक समय ले लिया हैं। लेकिन गांव वालों की समस्या जैसे की तेसी बनी हुई है आखिर कमी कहां है यह या तो विभाग जानता है या फिर प्रशासन जाने जो मासूम बच्चों बुजुर्गों और देश के भविष्य की जान लेने पर उतारू हुआ हैं। क्यों बोले बाले गांव के किसानों को राजनीतिक या फिर ठेकेदारों की बलि चढ़ाया जाता हैं यह प्रशासन को जानना चाहिए। लमन से दुर्गा माता मंदिर की नौ सौ मीटर की दूरी वाली सड़क को इतना विलंब क्यों हुआ है। गांव वासियों का कहना है कि जल्द से जल्द लमन से दुर्गा माता मंदिर तक आ रही सड़क को पक्का किया जाए नहीं तो घनी आबादी वाले लमन पंचायत के लोग सड़कों पर उतरेंगे और उग्र आंदोलन करेंगे । सामाजिक कार्यकर्ता सर्वजीत शर्मा ने अपना पीडब्ल्यूडी विभाग पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि हादसे पर हादसा होता जा रहा है लेकिन प्रशासन आंखें मूंदकर गहरी नींद सोया हुआ है आखिर प्रशासन क्या दर्शाना चाहता है कि प्रशासन के अंदर या फिर विभाग के अंदर अधिकारियों की मनमानी चलती है तानाशाही चलती है जिसे की जनता के ऊपर दोप दिया जाता हैं। और जनता अफसरशाही से तंग आकर त्राहि-त्राहि करती है आखिर कब वह वक्त आएगा जब आम लोगों की सुनवाई होगी और आम लोगों के विकास कार्य होंगे उसी दिन के इंतजार के लिए लोग उम्मीद लगाए बैठे । वही लमन के एवं सुंदरबनी के वरिष्ठ मठाधीशवरों के जजवान अचार्य पंडित बिट्टू राम शर्मा ने पुष्पांजलि टुडे संवाददाता से बात करते हुए बताया कि लमन दुर्गा माता मंदिर कि जो सड़क 900 मीटर वर्षों से कच्ची पड़ी हुई है जिसका केवल मात्र लगभग नामात्र काम किया गया था उसे अभी तक पक्का नहीं किया गया जो कि बड़े हादसों को न्योता दे रही है हादसे में सुंदरबनी क्षेत्र की इतनी बदनामी होती है कि जो बाहरी प्रदेशों या फिर अन्य जिला के से जो लोग माता के दर्शनों के लिए आते हैं पहले तो उन्हें गहरी गड्ढों में अपनी टांग बाजू तोड़नी पड़ती है उसके बाद वह माता के मंदिर तक तड़प तड़प कर पहुंचते हैं जो की इस समाज का दुर्भाग्य है कि दर्शनों के लिए आने वाले लोगों को कितनी बड़ी कठिनाई होती हैं। पंडित जी ने भी सड़क निर्माण विभाग से आग्रह किया है कि दुर्घटनाओं से खिलवाड़ करना छोड़े और इस सड़क को जल्द से जल्द पक्का करें ताकि भक्तजन और साधारण व्यक्ति जो कि इस गांव के निवासी हैं उनके लिए सुविधा पूर्ण हो सके ।

बिधुत विभाग के कर्मचारियों पर प्रकरण दर्ज करने की मांग

ग्राम कैथा बासियों ने लापरवाह बिधुत अधिकारियों पर कार्यबाही हेतु दिया आवेदन

लहार(अर्पित गुप्ता)

लहार क्षेत्र के थाना रावतपुरा के अंतर्गत ग्राम कैथा मैं कल दिनांक 3/9/2020 को विद्युत पोल में करंट आने से 21 वर्षीय रविंद्र पुत्र मोतीराम बंशकार की मृत्यु हुई थी जिसको लेकर लहार एसडीओपी दिनेश सिंह वैश्य को ग्राम वासियों ने भाजपा नेत्री सरोज जोशी के नेतृत्व में बिधुत विभाग के लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने हेतु एक आबेदन प्रस्तुत किया जिसमें बताया गया है की कई सालों से कैथा की विद्युत लाइन टूटी हुई पड़ी थी विद्युत विभाग असवार को कई बार आवेदन पत्र के माध्यम से एवं फोन द्वारा ग्राम वासियों ने अवगत कराने के बावजूद भी टूटी हुई लाइन नहीं जोड़ी गई थी जिससे कैथा गांव के विद्युत पोल में करंट आने की सूचना भी ग्राम वासियों ने विद्युत विभाग को दी थी और जन हानि की आशंका जताई थी इसके बावजूद भी विद्युत विभाग ने कोई कर्मचारी लाइन सही करने नहीं भेजा विद्युत विभाग की लापरवाही कारण अपने परिवार का इकलौता बारिश एक नवयुवक की मौत हो गई जिसमें प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई तो वहीं लहार एसडीओपी ने पीएम रिपोर्ट आने पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है इस मौके पर भाजपा नेत्री सरोज जोशी ने कहा कि मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है इसमें आम जनता का अनहित बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाह अधिकारियों की भी खैर नहीं है ज्ञापन देने मैं भाजपा नेत्री सरोज जोशी के साथ सेकड़ो ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

भाजपा नेत्री सरोज जोशी के नेतृत्व में दिया गया आबेदन

कोरोना महामारी के चलते डॉक्टर गोविंद सिंह की यात्रा पर लगना चाहिए बैन-बिकास बिरथरे पूर्व जिला प्रवक्ता भाजपा

यात्रा रोकने के लिए लहार एस.डी.एम को सौंपा ज्ञापन

लहार(अर्पित गुप्ता)। लहार में पूर्व मंत्री एबम बर्तमान बिधायक डॉक्टर गोविंद द्वारा निकाली जा रही नदी बचाव यात्रा को रोकने के लिए आज भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा इस समय कोविड महामारी के चलते यात्रा को रोकने के लिए एस.डी.एम लहार आर.ए प्रजापति को ज्ञापन सौंपा जिसमे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला प्रवक्ता विकास बिरथरे द्वारा बताया गया कि इस समय देश मे कोरोना जैसी महामारी का प्रकोप फैला हुआ है और प्रदेश सरकार द्वारा भीड़ एकत्रित करने पर रोक लगाई गई है ऐसे में कांग्रेस द्वारा एक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जो अनुचित है और कोविड -19 के नियम के बिरुद्ध है ऐसी यात्रा पर तत्काल रोक लगाई जाए अगर ये यात्रा निकाली जाती है तो सभी पर धारा 188 के तहत प्रकरण कायम किया जाए इस मौके पर चन्द्रशेखर उपाध्याय पूर्व मंडल महामंत्री,पी.एन मेहरा पूर्व मंडल अध्यक्ष, राकेश महाते सिंचाई विभाग अध्यक्ष,ओमकार सिंह जादौन एडवोकेट, प्रदीप मिश्रा एडवोकेट प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

सतीश का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के जुझारू, कर्मठ एवं षालीन नेता एवं जन उत्थान न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार का जन्मदिन हजारों लोगों ने पुश्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत कर मनाया। प्रातः 7 बजे डॉ. सतीष सिंह सिकरवार वार्ड 56 के कार्यकर्ताओं के साथ थाना झांसी रोड के पास श्रद्धा पर्वत पर स्थित मंदिर पर पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का अभिशेक किया। जिसके बाद डॉ. सिकरवार गोला का मंदिर पर स्थित गोषाला पहुँचे और गऊ माताओं की पूजा कर 1100 किलो चारा गोषाला में गायों को खिलाया। युवा नेता किषोर गुरवानी एवं गौरव षर्मा ने अपनी टीम के साथ जन सेवा पर्व के रूप में डॉ. सिकरवार के जन्मदिन के अवसर पर ग्वालियर पूर्व विधानसभा में 11 जगह कार्यक्रम आयोजित किया। उसके बाद डॉ. सिकरवार वहां से अचलेष्वर मंदिर पहुँचे और अपने परिवार के साथ भगवान अचलेष्वर महादेव का अभिशेक कर आर्षीवाद लिया और गरीबों की बीच जाकर मिश्ठान, फ्ल एवं वस्त्र वितरण किये। इसके बाद भगवान श्रीराम व सीता जी के चित्र पर माल्यापर्ण कर दीप प्रज्जवलित किया, तत्पष्चात हजारों समर्थकों-स्नेहीजनों के बीच केक काटा और सभी को खिलाया। कार्यकर्ताओं द्वारा जे.एच. अस्पताल एवं जिला अस्पताल मुरार में फ्ल एवं भोजन का वितरण किया गया। डॉ. सिकरवार के जन्मदिन के अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कई मंदिरों पर सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन कर पूजा अर्चना की। डॉ. सिकरवार ने दोपहर में आत्म ज्योति नेत्रहीन बालिका विद्यालय पहुँचे और छात्राओं के साथ भोजन कर जन्मदिन मनाया। डॉ. सिकरवार के जन्मदिन के अवसर पर कई समाजिक संस्थाओं ने कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें की गालब डिस्ट्रीब्यूटर वेलफेयर एसोसिएसन ने मास्क का वितरण किया। अतिषबाजी, फूलों की बारिष और बैण्ड बाजे ढोल-ताषे की गड़गड़ाहट के साथ लोग डॉ. सिकरवार का जन्मदिन मनाने पहुंचे। बुर्जुग, महिला, पुरूश, बच्चों, युवाओं की बड़ी फौज के अलावा तमाम समाजिक, राजनीतिक एवं खेल संगठनों के लोगों ने जन-जन के लाड़ले डॉ. सतीष सिंह सिकरवार का जोरदार स्वागत किया। दिन भर सतीष भैया जिदांबाद के नारे गूंजते रहे। स्वागत करने व बधाई देने के लिए ग्वालियर चंबल संभाग के कई जिलों से लोग आए। ब्राह्मण समाज ने डॉ. सिकरवार को साफा बांधकर एवं तलवार भेंट कर सम्मानित किया, इसके साथ ही कई समाज के पदाधिकारीओं, सामाजिक संस्था एवं धर्म गुरूओं ने षॉल एवं श्रीफ्ल भेंट कर डॉ. सिकरवार को सम्मानित किया। डॉ. सिकरवार के समर्थकों ने साफा बांधकर व तलवार भेंट कर डॉ. सतीष सिंह सिकरवार का अभिनंदन किया। पांच सौ से अधिक लोग केक लेकर पहुंचे डॉ. सिकरवार को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे स्नेहीजनों मे से पांच सौ से अधिक लोग केक लेकर पहुंचे और सेल्फी फोटो के साथ केक काटे। षहर भर से लागे गाजे-बाजे के साथ नाचते हुए डॉ. सिकरवार के निवास पर पहुँचे और पुश्पहार पहनाकर बधाई दी। कार्यालय पर आने वाले लोगों को सेनेटाईज कर मास्क का वितरण किया:- डॉ. सिकरवार को बधाई देने आने वाले लोगो को कार्यालय के गेट पर सेनेटाईज करवाने के बाद ही कार्यालय में अंदर प्रवेष दिया गया। जो भी लोग मास्क नही लगाये हुये थे, उन्हे कार्यालय के गेट पर मास्क दिये गये और साथ आने वाले लोगो के बीच षारीरिक दूरी का ख्याल भी रखा गया।

डॉ. सिकरवार ने श्रद्धा पर्वत पर भगवान भोलेनाथ का किया अभिषेक, अचलेश्वर पर पूजा-अर्चना कर, गरीबों के बीच किया मिष्ठान, फल एवं वस्त्र वितरण

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बदरवास इकाई द्वारा कई वर्षों से बदरवास महाविद्यालय की मांग को लेकर किये आंदोलन

द्वारा किया गया जिसके फलस्वरूप प्रदेश सरकार को बदरवास मैं महाविद्यालय खोलने की अनुमति प्रदान की आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा जिलाधीश महोदय के नाम तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की वर्षों से चली आ रही मांग को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा पूरा किया गया एवं कॉलेज के लिए भूमि निश्चित की गई उसके लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रदेश सरकार का हृदय से अभिनंदन करती है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद माननीय मुख्यमंत्री महोदय से आग्रह करती है की बदरवास कॉलेज का नाम भारत रत्न भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के नाम हो यह बदरवास कि नहीं अपितु पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय होगा बदरवास के महाविद्यालय का नाम स्वर्गीय अटल बिहारी जी के नाम पर रखा जाये

बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद की जाएगी - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने रायसेन तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों की फसलों का किया निरीक्षण, किसानों से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन तहसील के अनेक गांवों में बाढ़ से प्रभावित फसलों का निरीक्षण लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पग्नेश्वर में किसानों, ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है, सरकार आपके साथ है। बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों की हर संभव सहायता कर उन्हें संकट से बाहर लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक-एक खेत का सर्वे इमानदारी और निष्पक्षता के साथ किया जाये, कोई भी प्रभावित सर्वे से न छूटे। मुख्यमंत्री ने ग्राम मेढ़की, पग्नेश्वर, धनियाखेड़ी, धौबाखेड़ी और ताजपुर सूर में बाढ़ से प्रभावित फसलों का निरीक्षण किया तथा किसानों से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता थी कि बाढ़ से किसी को जान का नुकसान नहीं हो और हमें इस बात का संतोष है कि इतनी बड़ी बाढ़ में भी हमने किसी व्यक्ति की जान नहीं जाने दी। हम लोगों की जान बचाने में सफल हो गए हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों को उनके नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रायसेन, होशंगाबाद, सीहोर में हुई लगातार

बारिश होने और बाढ़ आने के कारण मैंने स्वयं रातभर जागकर राहत और बचाव कार्यों पर निगरानी रखी। पहले बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीम बुलवाई और फिर सेना भी बुलवाई। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थानों पर भी पहुँचाया गया। प्रदेश में बाढ़ में फंसे 13 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनके पास हर क्षेत्र की जानकारी है और उन्होंने प्रशासन को सभी क्षेत्रों में तत्काल सर्वे कर मदद पहुँचाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि फसलों को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिनके घरों को क्षति पहुँची है, उन्हें भी हरसंभव राहत दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश के 5 जिलों में फसल बीमा योजना की तारीख में वृद्धि की गई है, जिसमें एक जिला रायसेन भी है। जिले के किसान अब 7 सितंबर तक फसल बीमा योजना से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना महामारी से बचाव और नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। चिकित्सालयों में वेंटीलेटर, दवाएं सहित सभी आवश्यक संशाधन उपलब्ध कराते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। पूर्व मंत्री डॉ गौरीशंकर शेजवार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर किसानों को ढांढस बंधा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र में सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश प्रशासन को दिए गए हैं। बाढ़ प्रभावितों को यथासंभव मदद जरूर दी जाएगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं सिलवानी विधायक श्री रामपाल सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश किरार, कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, एसपी श्रीमती मोनिका शुक्ला भी उपस्थित थी।

नए मंडी एक्ट से किसान आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे : मंत्री पटेल

भोपाल(ईएमएस)। प्रदेश के किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, बिचौलिया प्रथा को समाप्त करने और किसानों के व्यवसाय के लिए अनेक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने मॉडल मंडी एक्ट बना कर प्रदेश में लागू किया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड एंड एग्रीकल्चर रिफॉर्म्स पर कृषि विपणन बोर्ड मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित वेबिनार को ऑनलाइन संबोधित करते हुए उक्त बात कही। मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि खेती- किसानी को लाभ का धंधा बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सपने को साकार रूप देने के लिये नए-नए संशोधन किए जा रहे हैं। कृषि आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए सहकारी समितियों को 1000 करोड़ का ऋण सस्ते ब्याज पर उपलब्ध कराया गया है। इससे गांव के किसानों को वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज, साइलो, फूड प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग, शार्टिंग इत्यादि की व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए उचित प्रयास किए जाएंगे। किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें संगठित करके एफ़पीओ का गठन किया जा रहा है। इनके माध्यम से किसानों को खाद, बीज और दवाइयां गुणवत्तापूर्ण मिल सकेंगे। किसानों के लिए अपनी उपज को आसानी से बेचने और अधिकतम लाभ अर्जित करने के लिए मंडी एक्ट में संशोधन किए गए हैं। अब किसानों की फसल खेत से, खलिहान से, घर से, गोडाउन से कहीं से भी खरीदी और बेची जा सकती है। किसानों को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्हें प्रतिस्पर्धा के अनेक अवसर दिए जा रहे हैं। इससे न केवल बिचौलिया प्रथा को खत्म किया जा सकेगा बल्कि किसानों को अधिक से अधिक लाभ दिया जा सकेगा। देश और प्रदेश के किसानों ने कोरोना संक्रमण काल में भी अथक परिश्रम किया है। उनके परिश्रम से ही अर्थव्यवस्था को संबल मिला है। प्रदेश के किसानों ने अपने खून-पसीने से धरती को सींच कर प्रदेश को गेहूँ उपार्जन में नंबर वन बनाया है। श्री पटेल ने सभी किसानों के परिश्रम को नमन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। मंत्री श्री पटेल ने खेती को लाभ का धंधा बनाने में नई किस्मों की खोज और कृषक को दिए जाने वाले महत्वपूर्ण सुझाव के साथ ही उनके निरंतर मार्गदर्शन के लिए कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। मंत्री श्री पटेल ने मंडियों में काम कर रहे हैं अधिकारी/कर्मचारियों से सांकेतिक हड़ताल को खत्म करने का आग्रह कर काम पर लौट आने को कहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा मंडी एक्ट में लाया गया संशोधन संबंधी अध्यादेश किसानों के हित में नींव का पत्थर होगा। श्री पटेल ने कहा कि व्यापारियों और कर्मचारियों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। मंडी एक्ट में संशोधन संबंधी अध्यादेश से मंडिया सशक्त होंगी। मंडियों को स्मार्ट बनाया जा सकेगा। मंडियों की आय बढ़ाई जाएगी इसलिए किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार सभी व्यापारियों और कर्मचारियों का ध्यान रखेंगी। न मंडिया बंद होगी और ना कर्मचारियों को किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान होगा। कर्मचारियों के भविष्य की चिंता सरकार करेगी। कोई भी परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

हमारी पहली प्राथमिकता लोगों के जीवन को दोबारा सामान्य स्थिति में लाना : मुख्यमंत्री चौहान

नसरुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर, राहत शिविरों का अवलोकन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को सीहोर जिले की नसरुल्लागंज तहसील के छीपानेर, रानीपुरा, चौरसाखेड़ी एवं धोलपुर ग्रामों में पहुंचे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत शिविरों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम छीपानेर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि अतिवर्षा से बड़ी विपत्ति आई है। क्षेत्र में बाढ़ के कारण जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। अब हमारी प्राथमिकता लोगों के जीवन को दोबारा सामान्य स्थिति में लाना है। मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में रहा और बाढ़ में फसे लोगों को हेलीकाप्टर और नाव के ज़रिए रेस्क्यू किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 1 लाख रुपये की आंशिक रूप से आर्थिक सहायता दी जाएगी। युद्ध स्तर पर बिजली की व्यवस्था दुरुस्त करवाई गई। अभी तक के सारे बिजली के बिल स्थगित कर दिए गए हैं। सोयाबीन व धान दोनों का सर्वे करवाया जाएगा। आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के अनुरूप राहत राशि वितरित की जाएगी। गरीबी रेखा में नाम जोड़ने का कार्य किया जाएगा। 50 किलो अनाज प्रत्येक परिवार को वितरित किया जा रहा है। संबल योजना पुनः शुरू की जाएगी। गाँव के स्कूल की बाउंड्रीवाल बनवाई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केरोसिन सप्लाई, पीने के पानी की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही हमारा लक्ष्य है कि बाढ़ पीड़ितों के जो कच्चे मकान जो टूट गए है उनको 1 लाख रुपये और मनरेगा में अलग से पैसा दिया जाएगा। किसानों को फसल बीमा और राहत राशि मिलाकर संकट से निकाल लिया जाएगा। कोरोना वायरस के संक्रमण एवं बचाव के संबंध में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 70 टेस्टिंग लैब बनाई गई हैं, कोरोना वायरस से सबको सावधान रहना है। सभी को मास्क लगाना है एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है। साथ ही अपने हाथों को सेनेटाईजर करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने छीपानेर में स्थित धूनीवाले बाबा के दर्शन किए। इस मौके पर संभाग आयुक्त श्री कवीन्द्र कियावत, आईजी, कलेक्टर श्री अजय गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री शशीन्द्र चौहान, क्षेत्रीय सांसद श्री रमाकांत भार्गव, श्री गुरुप्रसाद शर्मा, श्री रघुनाथ सिंह भाटी, श्री रवि मालवीय, राजेन्द्र सिंह राजपूत, श्रीमती उर्मिला मरेठा, श्रीजसपाल अरोरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

यात्री बसों के पांच माह का वाहनकर माफ किया जाएगा : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आम जनता के हित में और बस आपरेटर्स की समस्याओं को दूर करने के लिये यात्री बसों के सुचारू संचालन का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में बस संचालकों एवं उससे जुड़े लोगों की परेशानियों के दृष्टिगत यात्री बसों पर देय मासिक वाहनकर को 1 अप्रैल 2020 से 31 अगस्त 2020 तक की अवधि तक पूर्णतः माफ किया जाएगा। साथ ही यात्री बसों के संचालन की स्थिति पुनः सामान्य रूप से हो सके इसको दृष्टिगत रखते हुए माह सितंबर 2020 के देय मासिक वाहनकर में 50 प्रतिशत की छूट एवं वाहनकर जमा करने की तिथि को 30 सितम्बर 2020 तक बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बस आपरेटर्स और प्रदेश की जनता के हित में लिये गये इस निर्णय से अब प्रदेश में पूर्ण क्षमता के साथ बसें पुनः चालू हो जाएगी।

प्रदेश में अब बसें पूरी क्षमता के साथ चलेंगी, आम जनता के हित में महत्वपूर्ण निर्णय

इससे जहां एक ओर आमजन को आवागमन की सुविधा मिल सकेगी, वहीं दूसरी ओर यात्री बसों से जुड़े रोजगार प्रारंभ हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव को दृष्टिगत रखते हुए 25 मार्च 2020 से लॉक डाउन के कारण बसों का संचालन प्रतिबंधित किया गया था। राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुरूप उनके संचालन की क्रमशः अनुमतियां भी दी गयी हैं। किन्तु व्यावहारिक रूप से बसों का संचालन सामान्य रूप से नहीं हो सका। राज्य शासन द्वारा लिये गये उक्त निर्णय से प्रदेश के बस आपरेटर्स की परेशानियां खत्म होंगी और आमजन की सुविधा के लिये अब बसों का पूरी क्षमता के साथ संचालन शुरू हो सकेगा। इसी क्रम में यात्री किराये के पुनर्निधारण के लिये किराया निर्धारण समिति को जिम्मेदारी सौंपते हुए शीघ्र निराकरण के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश के बस आपरेटर्स ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया है।

शिक्षक दिवस पर आज उच्च शिक्षा मंत्री प्राध्यापकों से करेंगे संवाद

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव शिक्षक दिवस 5 सितम्बर को दोपहर एक बजे से प्रदेश के प्राध्यापकों से वेबिनार के जरिये संवाद करेंगे। कोरोना काल की चुनौतियों के बीच भी शिक्षक दिवस के पारम्परिक आयोजन में मध्यप्रदेश सरकार कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती है। हालाँकि इस बार यह आयोजन अनूठा होगा, जिसमें तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। विभाग ने बाकायदा इसकी विशेष तैयारी की है और लिंक के जरिये प्रदेशभर के प्राध्यापकों को इससे जुड़ना भी सुनिश्चित कर लिया है। इस विशेष आयोजन में मंत्री डॉ. यादव वेबिनार के माध्यम से उच्च शिक्षा की चुनौतियों के साथ नई शिक्षा नीति को लेकर भी प्राध्यापकों से बात करेंगे। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ आत्मनिर्भरता, कौशल विकास, भारतीय मूल्यों और आदर्शों जैसे कई बहुउपयोगी विषयों का समावेश किया गया है। मंत्री बनने के बाद डॉ. यादव प्राथमिकता से नई शिक्षा नीति को मध्यप्रदेश में बेहतर तरीके से लागू करवाने के लिए कृतसंकल्पित हैं। वे इस बारे में अपनी इच्छा का इजहार पूर्व में भी कर चुके हैं। इसके क्रियान्वयन के सूत्रधार और बुनियाद शिक्षक ही हैं। डॉ. यादव ने इसकी शुरुआत के लिए शिक्षक दिवस का चयन किया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों को प्रदेश भर के प्राध्यापकों के सामने रखकर इसके बेहतर क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा।

व्यक्ति को पूर्णता प्रदान कर एक जागरूक नागरिक बनाने में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान - राज्यपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के दीक्षांत समारोह को राजभवन, लखनऊ से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति में समाज बोध का विकास होता है एवं वह समाज के सभी अंगों के प्रति आदर, समन्वय एवं सहयोग की भावना को आत्मसात करता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को पूर्णता प्रदान कर एक जागरूक नागरिक बनाने में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। सही एवं सार्थक शिक्षा व्यक्ति के वैयक्तिक एवं सामाजिक उद्देश्यों में समन्वय स्थापित कर उसे अपने जीवन के लक्ष्यों का चयन करने एवं हासिल करने के लिए प्रेरणा प्रदान करती है। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की संकल्पना समाज की आवश्यकता तथा विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, तार्किकता एवं

नवाचार की भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भारत की परम्परा, विरासत, सांस्कृतिक मूल्यों एवं तकनीकी ज्ञान तथा कौशल विकास में समन्वय स्थापित करने का सफल प्रयास किया गया है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा की प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये गये हैं। स्नातक स्तर पर महत्वपूर्ण सुधार करते हुए तीन अथवा चार वर्ष के स्नातक कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कई स्तरों पर पाठ्यक्रम छोड़ने का प्रावधान किया गया है। इससे विद्यार्थी अपनी सुविधा एवं रुचि के अनुसार उपाधि प्राप्त कर जीवन में विकल्प चुन सकेंगे। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज का यह दौर हम सभी के लिए कठिन है। हमारे युवाओं की कठिनाई तो और भी गंभीर दिखाई देती है। आवश्यक है कि अपने सपनों को पूरा करने के प्रयासों में सभी युवा निरंतर जुटे रहें। हमारे देश के इतिहास में, ऐसे प्रेरक उदाहरण मौजूद हैं जहां बड़े-बड़े संकटों एवं चुनौतियों के बाद सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्र पुनर्निर्माण का कार्य नई ऊर्जा के साथ किया गया। राज्यपाल ने युवा छात्रों की ओर इशारा करते हुए कहा कि हमारा विशाल देश, युवा शक्ति से भरा हुआ देश है। आत्मनिर्भरता को दिल और दिमाग में बैठा लें। आत्मनिर्भरता के खुद प्रयास करें और दूसरों के प्रयासों में मदद करें। यही विकास को नई गति, नई ऊर्जा देगा। राज्यपाल ने छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रदेश एवं देश के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करें। उनसे राष्ट्र को आशाएं हैं, जिसे वे अनुशासन, सदाचार, दृढ़ता, सामाजिक लगाव एवं संस्था तथा देश के प्रति प्रतिबद्धता जैसे गुणों के विकास के माध्यम से पूरा कर सकते हैं। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में कला, सामाजिक विज्ञान, जीव विज्ञान, विधि, वाणिज्य, शिक्षा, गृह विज्ञान एवं प्रबंध संकाय के 62 पंजीकृत विद्यार्थियों को पी.एच.डी. की ई-उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे युवा शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहे हैं। दीक्षांत में 27 विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के आधार पर स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिसमें से 21 छात्राएं एवं 6 छात्र हैं।

छन्द : दोहा

मात-पिता ने जन्म दिया, दिया गुरु ने ज्ञान
गुरू दृष्टि पड़ती न गर, मिलता नहिं यह मान।
जग में यश कारक वही, दूजा और न कोय
जिस पर कृपा करें गुरू, जग में कीरति होय।

पूजें जिनको सुर-असुर, गुरू एक बस नाम
उनसे बड़ा न तीर्थ है, उनसे बड़ा न धाम।
गुरू शरण में जो गया, छोड़ जगत का प्यार
जन्म-मरण के इस भव से, उसका बेड़ा पार।
करते हैं उपकार गुरु, देकर हमको रूप
कर्ज भरेगा कोइ क्या, देव, दैत्य या भूप।
हरिगीतिका
खोकर जो गहरे अंधकारों, में भटकते हैं यहां।
उतरूं मैं कैसे हट्ट भव से, मार्ग नहीं पाते यहां।।
उनके बन्द नयनों के पट जो, खोल दें तप से यहां।
करता नमन ऐसे गुरू को, भाग्य से मिलते यहां।।

नीरज कुमार द्विवेदी
गन्नीपुर-श्रृंगीनारी,
बस्ती-उत्तरप्रदेश

// शिक्षक जैसा //

स्वच्छ-निर्मल-पावन
सादगीपूर्ण नीरसतह
सीने में उठतीं
जीवनोपयोगी सैद्धांतिक लहरें,
सीख-सलाह व मार्गदर्शन
जैसे रत्न भरे हों
जिनके समावेशी जल में,
मेरा मन करता है
बार-बार डूबकी लगाने को
शिक्षक जैसे महासागर में।
******
ओम् स्वरूप पुनित अक्षर
मंत्र सा पवित्र मंगलाचरण
श्वेत पन्ने भरे हुए पूर्णरूपेण
सरल-सहज अमिट वर्णों से
सम्पूर्ण जीवन का विस्तृत वर्णन
सारी सृष्टि को शैक्षिक समर्पण
होता है जिनका जीवन,
मेरा मन करता है
बार-बार पढ़ने को
शिक्षक जैसे महाकाव्य को।
******
असामाजिकता की आँधियों को
रोक लेता नैतिकता के बाँहों से
अंधविश्वास-रुढ़िवादिता खरपतवार को
उगने नहीं देता अपनी मिट्टी में
अटल-दृढ़ इरादा लिये
हो आभायुक्त उन्नत शिखर
उच्च आकांक्षा हो जिनकी,
मेरा मन करता है
बार-बार स्पर्श करने को
शिक्षक जैसे महाभूधर को।

टीकेश्वर सिन्हा ÷गब्दीवाला÷
घोटिया-बालोद (छ.ग.)

कोरोना वायरस से पुनः संक्रमण का खतरा

कोरोना वायरस अपने स्वरूप को तेजी से परिवर्तित कर रहा है। इस परिवर्तन के दौरान यह कभी पहले से ज्यादा शक्तिशाली हो जाता है और कभी कमजोर। विज्ञान की भाषा में इसे न्यूटेशन कहते हैं।इसी न्यूटेशन के आधार पर जब कोई वायरस तेजी से फैलने लगता है तो उसे वायरस का नया स्ट्रेन कहते हैं।दुनिया भर के वैज्ञानिकों को अब तक कोरोना वायरस के 8 से ज्यादा स्ट्रेन्स मिल चुके हैं। कोरोना वायरस हर 15 दिन में अपने आप को बदलने की क्षमता रखता है। हाल ही में मलेशिया में इस वायरस का एक खतरनाक स्ट्रेन मिला, जिसे ष्ठ614त्र नाम दिया गया।इसे कोरोना वायरस का नया वर्जन कह सकते हैं। मलेशिया में कोविड-19 का यह नया वर्जन भारत से लौटे एक व्यक्ति से फैलना शुरू हुआ था। जिसने 14 दिन के क्वारंटाइन को बीच में ही तोड़ दिया था। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के अनुसार कोरोना वायरस का ये नया वर्जन ष्ठ614त्र सबसे अधिक शक्तिशाली स्ट्रेन है। ये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अधिक तेजी से फैलता है। ये पहले कोरोना वायरस से 10 गुना ज्यादा घातक और खतरनाक है।न्यूटेशन की वजह से ये वायरस शरीर की कोशिकाओं से चिपकने की अपनी शक्ति को पहले से बढ़ा लेता है। कोई भी वायरस अपनी स्पाइक प्रोटीन की मदद से शरीर की कोशिकाओं से चिपक जाता है। कोरोना वायरस के आसपास कांटो जैसी आकृति ही स्पाइक प्रोटीन कहलाती है? कोविड-19 के नए वर्जन पर शोध करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार अब यह कांटे पहले से ज्यादा घातक हो गए हैं और कोशिकाओं पर ज्यादा तीखा प्रहार करने में सक्षम हो गए हैं। इसलिए सवाल ये है कि अगर इस वायरस से लड़ने वाली वैक्सीन बन भी गई तो क्या वो अलग-अलग प्रकार के कोरोनावायरस का सामना कर पाएगी ? जब तक वैक्सीन बनेगी, ये वायरस अपने आप को बदल चुका होगा और बदले हुए रूप पर यानी उस वर्जन पर ये वैक्सीन काम नहीं करेगी। अबतक इस वायरस की संरचना पर जो भी परिवर्तन हुए वो इसकी स्पाइक प्रोटीन में हुए हैं, जो इस वायरस का ऊपरी हिस्सा है। इसके निचले हिस्से में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैक्सीन के साथ-साथ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता वायरस पर पहला प्रहार इसी हिस्से में करती है। अतः कोविड-19 में हुए बदलाव वैक्सीन पर कोई प्रभाव नहीं डालेंगे। एक बार संक्रमण होने पर ठीक हो जाने के बाद ये संक्रमण दोबारा भी हो सकता है। ठीक हो जाने के बाद भी इसके प्रभाव शरीर में बने रहते हैं और कमजोर शरीर में अनेक समस्याएं पैदा हो सकती हैं और शरीर दूसरी बीमारियों का शिकार हो सकता है पूरी दुनिया में इस समय दो करोड़ 30 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस का शिकार हो चुके हैं। इनमें से आधे लोग ठीक होने के बाद भी इस वायरस से किसी न किसी रूप में परेशान हैं। इन 50त्र लोगों में कुछ को लंबे समय तक थकान बनी रहती है, कुछ को सांस लेने में परेशानी होती है, कुछ लोगों को ऑटो इम्यून बीमारियां हो जाती हैं, जिनमें शरीर खुद से ही लड़ने लगता है और अपनी ही कोशिकाओं को नष्ट करने लगता है। कुछ लोगों को न्यूरोलॉजिकल परेशानियां होने लगती हैं। कुछ दिल के मरीज बन जाते हैं। कई मरीजों को डायरिया हो जाता है। आमतौर पर ये लक्षण कम से कम 4 हफ्तों तक बने रहते हैं। कभी-कभी इससे भी ज्यादा दिनों तक ऐसा हो सकता है और ठीक होने में 4 से 6 महीने तक भी लग सकते हैं। इस संक्रमण से ठीक हो जाने के बाद सबसे बड़ी समस्या थकावट की है। अतः संक्रमण से ठीक होने के बाद भी बहुत सावधानी की आवश्यकता है। भारत में 30 लाख से अधिक कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले सामने आए हैं और हर रोज इस वायरस के औसतन 60 हजार मरीज आ रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा 58 हजार से पार जा चुका है। फिर भी खुशी की बात यह है कि भारत में रिकवरी रेट 75त्र तक पहुंच चुका है। यानी 30लाख मरीजों में से 22 लाख ठीक भी हो चुके हैं। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि एक बार ठीक होने के बाद यह संक्रमण दोबारा नहीं होगा। इस पर अनेकों शोध चल रहे हैं। इसी साल अप्रैल में हांगकांग के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ और कुछ दिनों में वह ठीक भी हो गया। लेकिन इसी महीने में जब वह यूरोप से वापस लौटा तो वह एक बार फिर से इस वायरस से संक्रमित हो चुका था। इसकी पुष्टि एयरपोर्ट में जांच में हुई। हांगकांग में इसको कोविड-19 का पहला रिइन्फेक्शन केस कहा जा रहा है ।यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग के वैज्ञानिकों ने जांच के दौरान देखा कि इस व्यक्ति में दोनों बार अलग-अलग प्रकार के कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ है।पहली बार में कोविड-19 के लक्षण पैदा हुए, किंतु दूसरी बार में कोई लक्षण दिखाई नहीं दिए। यानी दूसरी बार का संक्रमण पहले से कमजोर था। अतः एक बार संक्रमित हो जाने पर ठीक हो जाने के बाद भी बहुत अधिक सावधानी रखने की आवश्यकता होती है।

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश

गुरु का अभिनंदन करते हैं...

गुरु की शिक्षा और सीख से, हम बने हैं नेक इंसान,
उनके ज्ञान के नव किरण से, हमारी है इक पहचान।
क ख ग से लेकर वेद पुराण को पढ़ना सीख लिया,
ऐसे गुरु को मैं करूँ प्रणाम, हमारे हैं वो भगवान।।

जीवन के कठिन रास्तों पर,
हमें चलना सिखाया,
क्या उचित और क्या
अनुचित है, बखूबी
बताया।
उन्हीं के शिक्षा के बदौलत,
हमने दुनिया को जाना,
अन्याय व शोषण के
विरुद्ध, हमने आवाज़
उठाया।।

बिना गुरु के ज्ञान मिले, कोई न बन सकता
धनवान,
अंधकार जीवन आलोकित करें, शिक्षक होते महान।
विविध ज्ञान भंडार से, जीवन खुशियों से भर जाए,
जीवन में सन्मार्ग दिखाएं, ऐसे शिक्षक पर
अभिमान।।

सदैव अपने छात्र का, शिक्षक करना चाहे कल्याण,
सदुण, संस्कार व चारित्रिक विकास का देता ज्ञान।
राष्ट्र व समाज कल्याण के लिए, जिसका रहे लक्ष्य,
ऐसे शिक्षक का आजीवन, मैं करता रहूँ बखान।।

शिक्षक दिवस के अवसर पर, गुरु का वंदन करते
हैं,
सत्य का मार्ग जो दिखाए, अभिनंदन हम करते हैं।
गुरु ने हमें जो शिक्षा दी, अनमोल है उसकी कीमत,
उनके सम्मुख शीश झुका, सम्मान प्रगट हम करते
हैं।।

सादर लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]
मोबाइल 7355309428

हाँ मै शिक्षक हूँ

गुरु चन्दन है
गुरु वन्दन हैं
गुरु ज्ञान का नन्दन हैं

गुरु माँ शारदे का आशिष
गुरु रवि की किरण
गुरू जीवन को आलोकित करने वाला
अक्षर ...अक्षर प्रकाशित करने वाला
गहरे समुद्र मैं छुपे मोती बताने वाला
तु चाँद बन तु सितारा बन
तु अरुणोदय भास्कर बन
मै यही खड़ा हूँ पिछे आ रहे
अन्धेरे मैं डुबे ज्ञान के
पिपासु तुम्हारे जैसे
और भी है
उन्हें भी कोई रत्न बना दूँ
हाँ में शिक्षक हूँ
खड़ा हूँ मैं इस द्वार पर
माँ शारदे का खजाना लुटाने को
अन्धेरे से उजाले की और ले जाने को ।

लोकश भट्ट
दलोट, जिला -प्रतापगढ़, राजस्थान

शिक्षक और शिक्षार्थी

प्राचीन काल से ही शिक्षक और शिक्षार्थी का घनिष्ठ संम्बंध रहा है।वैदिक काल से ही शिक्षा का महत्व एंव प्रसार देखा गया है। शिक्षा केवल पाठशालाओं में पढ़ाई जाने वाली विषय वस्तु नही है।यह तो जीवन को पूर्णरूप से अनुभव करने की सतत् प्रकिया है।शिक्षा द्वारा ही मनुष्य सभ्यता के उच्चतम शिखर पर आसीन हो पाया है। हमारे जीवन में गुरू का क्या महत्व है इससे हम सभी भलिभांति अवगत हैं।गु का अर्थ होता है-अंधकार या मूल अज्ञान और रू का अर्थ है उसका निरोधक।गुरू ही हमारे जीवन में अंधकार एंव अज्ञानता का निवारण कर हमें पथप्रदर्शक कराते हैं। यूं तो गुरू या शिक्षक सदैव ही हमारे लिए वंदनीय हैं परंतु संपूर्ण भारत में 5 सितंमबर को विशेष रूप से छात्रों द्वारा शिक्षको को सम्मानित किया जाता है।इस दिन महान विद्वान सर्वपल्लि राधा कृष्णन का जन्मदिन मनाया जाता है।जो भारत के प्रथम उप -राष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति बने।शिक्षक हमारे समाज की रीढ़ की हड्डी हैं जो विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण एक आदर्श नागरिक के आकर में ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य को उज्जवल और सफल बनाने में पूर्णतः सहयोगी हैं। वे ही शिक्षा के महत्व से अवगत करा सफलता के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देतें हैं ।पथिक बनकर हमेशा अच्छे-बुरे का भेद बताते हैं ।सदैव ही सम्मानिय योग्य हैं हमारे शिक्षक । कहते हैं बिन गुरू ज्ञान कहाँ से लाऊँ ये कथन बिल्कुल सत्य है। ईश्वर से भी प्रथम पूज्यनीय हैं हमारे गुरू ।सिर्फ शिक्षकों के द्वारा ही एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण संभव है।आज की परिस्थितियों जो करोना काल के द्वारा उत्पन्न हुई हैं उससे हम सभी भलिभाँति परिचित हैं ।शिक्षार्थियों को ऐसे समय में शिक्षा में पूर्णतया सहयोग दें रहे हैं हमारे शिक्षक ।वो हर संभव प्रयास कर रहे हैं ताकि हमारे विद्यार्थियों के भविष्य पर किसी तरह से आँच न आने पाए । वो अपने दायित्व का निर्वाह भलिभाँति कर रहें हैं। नमन हैं सभी शिक्षकों को जो अपने सहयोग से शिक्षार्थियों के संपूर्ण विकास हेतु तत्पर हैं।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

शिक्षक शिक्षार्थी

शिक्षा ही वह माध्यम है जो देश व समाज के लिए सुसभ्य और सुसंस्कृत नागरिक तैयार करती है। शिक्षा के अभाव में बालक का परिशोधित होना संभव नहीं। शिक्षा के बिना तो नर को पशु समान भी बताया गया है। कहना गलत नहीं होगा कि शिक्षा जीवन का एक अतिमहत्वपूर्ण पहलु है जो मनुष्य को जीवन जीने के लिए बेहतर ढंग से तैयार करती है। यह जरुरी नहीं है कि शिक्षा सिर्फ विद्यालय से ही प्राप्त की जाए, इसके और भी माध्यम हो सकते हैं। बालक की पहली पाठशाला उसका परिवार है और प्रथम शिक्षिका उसकी माता। परिवार से बालक काफी कुछ सीख कर ही आगे की राह तय करता है। बालक का आस पड़ोस और समाज भी एक अनौपचारिक शिक्षा केंद्र ही है जहाँ बालक जीवन से जुड़ी विभिन्न तरह की गतिविधियां सीख लेता है।जहाँ प्राचीन समय में शिक्षा के लिए आश्रम और गुरुकुल हुआ करते थे वहीं वर्तमान में ये कार्य शैक्षणिक संस्थानों का हैं। शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो बालक को शिक्षा और शिक्षाक्रम से भली भाँति अवगत करवाता है। शिक्षक का दायित्व बहुत बड़ा है उसका कार्य मात्र शिक्षा देना ही नहीं है वरन उस शिक्षा को बालक अपने भावी जीवन में उपयोग कर सके, इसके लिए भी बालक को तैयार करना होता है। इसी लिए प्राचीन समय से ही शिक्षक को महान दर्जा दिया गया है, राष्ट्र निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। शिक्षार्थी जो शिक्षा पाने के लिए लाया गया हो, या शिक्षा पाने का जिज्ञासु हो। शिक्षक ऐसे जिज्ञासु प्रवृत्ति के शिक्षार्थी को अपने ज्ञान और व्यवहार से परिपूर्ण कर समाज और राष्ट्र को सौंपता है। वही बालक आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, आईएएस, आईपीएस,वैज्ञानिक, नेता, अभिनेता, मंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पद पर भी पहुँच जाता है। एक योग्य शिक्षक ही बालक में संपूर्णता का भाव उत्पन्न कर पाता है। वर्तमान में शिक्षक पर बहुत सी अनेकानेक जिम्मेदारियां लाद दी गई है जिनके बोझ तले शिक्षक अपने मूल कार्य शिक्षा से उदासीन होने को मजबूर है। पोलियो की खूराक के लिए शिक्षक को भार। मतदान प्रक्रिया तो शिक्षक की तैनाती। जनगणना, पोषाहार, टीकाकरण, विभिन्न तरह के सर्वे आदि कार्य हैं जिनमें शिक्षकों को व्यस्त कर दिया जाता है। इसके बावजूद परिणाम की गुणवत्ता हमें पूरी चाहिए ये समझे बिना कि इतने जिम्मेदारियों के मध्य ऐसा किस तरह मुमकिन होगा। न सिर्फ कार्य की अधिकता वरन शिक्षक समाज में उपेक्षा को भी झेलने पर विवश है। 2004 से शिक्षकों को मिलने वाली पेंशन पर भी रोक लगा दी गई है जो कि शिक्षकों में निराशा उत्पन्न करने का ही साधन बनी है। जो शिक्षक अपनी आधी से अधिक उम्र शिक्षा की सेवा में व्यतीत कर देता है उसे सेवानिवृत्ति पर सात सौ पेंशन पाने पर मजबूर होना पड़े तो आप अनुमान लगा सकते हैं उसकी मनोदशा क्या होगी।

ब्रह्मानंद गर्ग सुजल
जैसलमेर, राजस्थान।
9929079001

पितरों को नमन

पीढ़ी दर पीढ़ी जो हमारे बड़े थे
उनके ही तो अंश कहलाते है हम
जीवन मिला उन्हीं से हमको भी
उन सभी पितरों को नमन हैं ।
सदियों से चल रही है जो श्रंखला
उसी श्रंखला की एक कड़ी है हम
उन्हीं का ही प्रतीक है, उन्हीं का आशीष है
गुण दोष भी हमारे सदैव क्षमा किए हैं ,
बड़े थे वह हमारे , उनके सदा ऋणी है हम।

रीत रिवाज़ सारे उनके ही दिये हुए है
जिनके संस्कारों को पाकर हम बढ़े हुए है,
करते हैं नमन हम अपने बड़ों का सदा
जो पूर्वज हमारे गुजर गए हैं।

नहीं देखा जिन पुरखों को कभी
परंतु फिर भी उनकी संतान तो है हम
जो है हमारे माता-पिता को थे प्यारे
उन समस्त पुरखों को नमन।

दिखते नहीं वो हमको कभी
जो ईश्वर के समीप है,
देते सदा आशीष है ,धन्य उनसे है हम
नतमस्तक हमारा सदैव शीस है।

हमारी उन्नति से जो रहते सदैव प्रसन्न है
पितरों को भी याद कर लों
जिनकी वजह से हम हैं ,
आओ नमन कर लें उन सभी
मांग कर क्षमा लेले आशीष उनसे
उन्हीं का दिया जीवन है जिसके अंश हम हैं।

उनके लिए कृतज्ञ हूं मैं
जीवन भी मेरा उनसे
देवता स्वरूप है जो अब
उन सभी पितरों को नमन।

प्रतिभा दुबे
अभिलाषी मध्य प्रदेश (ग्वालियर)

शिक्षक दिवस पर दोहे...

शिक्षकगण देते सदा, सही गलत का ज्ञान।
धरती पर भगवान हैं, देते हम सम्मान।।

कच्ची मिट्टी को गढ़े, जैसे एक कुम्हार।
वैसे शिष्यों के लिए, शिक्षक का किरदार।।

मार्ग दिखाते गुरु उचित,
जब हो संकट काल।
हर मुश्किल के दौर से,
लेते हमें निकाल।।

दुविधा में पड़ते कभी,
देते उचित सलाह।
गुरुवर तो हमको सखे,
सदा दिखाते राह।।

अपने शिक्षक को सदा, देना तुम सम्मान।
वही बनाते हैं तुम्हें, एक नेक इंसान।।

दुनिया में अज्ञान का, छाये जब अँधियार।
ज्ञान ज्योति से गुरु करे, चहुँदिशि ही उजियार।।

श्लेष चन्द्राकर,
खैरा बाड़ा, गुड़रु पारा, वार्ड नं.- 27,
महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

रचना-

....
बढ़ने लगे हों जब धरा पर,
दानवों से आचरण!
कोविद मनीषी के प्रदूषित,
हो गए वातावरण!!

अन्याय धरती के निवासी,
के प्रकृति सहने लगे!
निर्झर सरित सर ताल में यदि,
गंदगी बहने लगे!!
....
उत्कर्ष वैभव जंगलों का,
मान जब खोने लगे!
पशु पक्षियों के सुर मधुर चिर,
नींद में सोने लगे!!

बसुधा निरंतर मानवों के,
कर्म से होती दुखी!
फिर दिव्यता ले जन्म आती,
है मही करने सुखी!!
....
वह ही महामानव धरा के,
मूल्य की रक्षा करे!
संदेश दे मानव हितों के,
जागरूकता वो भरे!!

आँसू नहीं बसुधा बहाए,
ध्यान होना चाहिए!
कर्तव्य के प्रति हम सभी को,
ज्ञान होना चाहिए!!
....

विकास शुक्ल प्रचण्ड
शिवपुरी मध्यप्रदेश

शिक्षा कहाँ से कहाँ तक

एक समय ऐसा था जब संत ,महात्मा, मुनिजन गुरुकुल में बच्चों को शिक्षा दिया करते थे जिस में हर तरह की शिक्षा और दीक्षा प्रदान की जाती थी फिर चाहे वो वेद पुराण, धनुर विद्या, अस्त्र शस्त्र, यज्ञ हर विधा से उन्हें परिचित कराया जाता था। और जो बच्चे गुरुकुल तक नहीं पहुंच पाते थे उन्हें खुले मैदान में पढ़ाया जाता था जिससे वो शिक्षा से वंचित न रह जाएं। फिर धीरे धीरे विद्यालय और विद्यापीठ बनने लगे जहाँ बच्चों को शिक्षा और दीक्षा दी जाने लगी। जैसे जैसे समय बदलता गया शिक्षा का प्रारूप और माध्यम भी बदलने लगा। जिन के दो प्रारूप बन गए सरकारी स्कूल जिस में निम्न परिवारों के बच्चे जाते जो अधिक फीस नहीं दे सकते थे और प्राइवेट स्कूल यानी इंग्लिश मीडियम जहां उन्हीं बच्चों को दाखिला मिलता जो अच्छे घरों से होते और माँ बाप भी पढ़े लिखे हों। समाज में ये दौर बदलाव का था क्योंकि अंग्रेजी स्कूल में जाने का मतलब रुतबा और गर्व की बात जो सरकारी स्कूलों में नहीं थी। इस तरह न सिर्फ बच्चों की सोच अपितु माता पिता की सोच भी शिक्षा पर हावी होने लगी।क्योंकि दोनों की सुख सुविधाओं में अंतर था इसलिए ये लकीर की रेखा बढ़ती रही। सरकारी स्कूल कम और प्राइवेट स्कूलों की संख्या तेज़ी से बढ़ने लगी। उसी तरह शिक्षा का प्रारूप, शिक्षण शैली, नीतियांभी तेज़ी से बदलता रहा।और फिर एक समय ऐसा आया जब शिक्षा के केंद्र स्कूलों में जबरदस्त होड़ सी लग गयी बेहतर से बेहतर सुख सुविधाएं मुहिया कराने की। एयरकंडीशन स्कूल, एयरकंडीशन कक्षाएं, एयरकंडीशन बसें और फीस मनचाही जिसे अमीर माता पिता को देने में कोई भी हिचकिचाहट लेशमात्र भी नहीं थी क्योंकि ये अब स्टेटस सिंबल बन गया था। ये देखते हुए स्कूल भी पीछे कहाँ रहते कुछ न कुछ नया और लुभावना ढूंढते रहे माता पिता को लुभाने के लिए। इस तरह ये कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी सभी स्कूल कम व्यसाय केंद्र ज़्यादा बनने लगे जहां सुख सुविधाएं देकर ज़्यादा मुनाफा कमाया जा सके। इस तरह आज गिनते नहीं बनता कितने अधिक स्कूल हैं फिर भी दाखिले को लेकर होड़ सी लगी रहती है। और कितने ही फंड्स, स्कूल यूनिफार्म, स्टेशनरी और न जाने क्या क्या। ये अलग बात है आज माता पिता काफी समृद्ध, पैसे वाले, सुख सुविधाओं वाले हैं, बड़ी बड़ी गाड़ियाँ, नौकर चाकर , लेटेस्ट से लेटेस्ट मोबाइल, इंटरनेट, लैपटॉप और न जाने क्या क्या। एक बार इन से ध्यान हटाकर गुरुकुल की और लौटें तो इस सवाल का उत्तर आपको स्वयं ही मिल जाएगा शिक्षा का स्तर कहाँ से कहाँ आ गया है और शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों का भी कहाँ से कहाँ। तभी तो आज समाज का ये हाल है जहां किसी को किसी की परवाह नहीं। सिर्फ स्टेटस, दिखावा और परायापन जिसका बीज तो कहीं न कहीं स्कूल से ही रोपित हो रहा है। बच्चों में भी जाने अनजाने भेदभाव उत्पन्न होता है जिसका गुस्सा वह अपने माता पिता पर निकालते हैं उन्हें जता जताकर और लाख दलीलें और समझाने पर भी बच्चों के दिमाग से चीज़ों के अभाव की बात निकलती नहीं और तनाव की एक रेखा खिंची रहती है। जिसका उसकी मानसिक स्थिति पर भी गहरा होता है और माता पिता के भी जो न चाहते हुए भी इस दुख से तिलमिलाते रहते हैं की वह अपने बच्चे की इच्छाएं पूरी नहीं कर पाते। इस तरह ये भेदभाव उत्पन्न कहाँ से हुआ हमारे स्कूलों से ही। जिसका छोटा सा क्या एक गंभीर उदाहरण और देख लीजिए लॉकडाउन जब से हुआ स्कूल बंद हो गए और ऑनलाइन क्लास का ऐलान कर दिया गया बिना ये जाने, ये समझे कितने बच्चे ऐसे हैं जिनके पास न मोबाइल की सुविधा है, न नेट की, न लैपटॉप की .... वो कैसे करेंगे बस फैसला सुना दिया जिसे जैसा करना है करो। इस प्रकार आज शिक्षा मानो शिक्षा ज्ञान का प्रदान नहीं बल्कि एक ऐसा केन्द्र बन गया है जहाँ निजीकरण संस्थाओं, पूंजीपतियों और सरकारों की मन मानी चलती है। इसीलिए शिक्षा गुरुकुल ऋषि, मुनियों, संतो के हाथों से निकलकर कहाँ से कहाँ आ गयी है मुट्ठी भर लोगों के अधिक से अधिक मुनाफा कमाने के मात्र व्यसाय की ओर।।

....मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

वे पेड़

वे पेड़
सूख गये
प्यासे
न सुनी पुकार
किसी ने
अब हम बैठें कहाँ?

छाँव नहीं
धूप के तेवर
सताये हमें।
घुटन सी
जगाये मन में,
व्याकुल बस सोचते हम
मुँह दबाये
कहीं मिल जाए छाँव
किसी बरगद की
आम की
ताकि सुकून महसूस कर सकें
मन और तन।
संपर्क

अशोक बाबू माहौर
मुरैना

नगरीय निकाय प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में विशेष ध्यान दें

सीवर निर्माण कार्य जल्द पूरा करें, जिससे लोग खुदी सड़कों से बच सकें - कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने सीवर प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए सीवर प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट मेनजेर से कहा कि सीवर का काम कब तक पूर्ण होगा। यह सीवर निर्माण कार्य जब मैं पहले मुरैना में था, उस समय से अभी तक चल रहा है। पूरे शहर खुदा हुआ पड़ा है। लोग गली, मोहल्लों में निकलने के लिये परेशान है। जबकि सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर अपने ढर्रे के हिसाब से कार्य कर रहे है। ऐसा अब नहीं चलेगा। मुझे कार्य में तेजी चाहिये। अन्यथा सीवर कंपनी के खिलाफ ऐक्शन लिया जायेगा। यह निर्देश शुक्रवार को उन्होंने नगर निगम कमिश्नर एवं सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर को दिये। बैठक में सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर ने जानकारी दी है की मुरैना शहर मै सीवर बिछाने का कार्य 98 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है और 26500 घरों के कनेक्शन जो जोड़ने है, उसमे से 2000 घरो के कनेक्शन जोड़ भी दिये है। और दिसंबर 2020 तक 7000 हाऊस कनेक्शन जोड़ने का कार्य पूरा कर देंगे। 31 मार्च 2021 तक 26500 कनेक्शन और एसटीपी का 100 प्रतिशत कार्य पूरा हो जायेगा। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम श्री अमरसत्य गुप्ता, समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ सहित सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर एवं नाला नंबर-2 के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि एसटीपी का कार्य कब तक पूर्ण हो जायेगा। इस पर सीवर प्रोजेक्ट मेनेजर ने कहा की एसटीपी का कार्य 90 प्रतिशत हो चुका है और उसका ट्रायल रन हम अक्टूबर माह में करेंगे और दिसंबर 2020 तक एसटीपी का कार्य 100 प्रतिशत तक

पूर्ण कर दिया जायेगा। कलेक्टर ने सीवर प्रोजेक्ट मेनेजर को निर्देश की वह रेस्टोरेशन का कार्य 8 से 10 दिन में मोटरबेल कर दें, जिससे आम जनता को परेशानियां नहीं हो। कलेक्टर ने सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर से पूछा की सीवर का कार्य में कोई जगह पे प्रोब्लम आ रही है तो अवगत करायें। सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया की वार्ड नंबर 19 में नाला नंबर-2 के पास सीमांकन नहीं होने की वजह से सीवर की मेंन लाईन डालने का कार्य अधूरा है, जिससे वहां के वार्ड क्रमांक 19,20,21,22,23 के हाउस कनेक्शन प्रभावित हो रहे है। कलेक्टर श्री वर्मा ने शहरी विकास अभिकरण के तहत नगरीय निकायों की समीक्षा की। जिसमें प्रधानमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अन्तर्गत वितरित हित लाभ, मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि योजनान्तर्गत हितग्राहियों की जानकारी, प्रवासी श्रमिकों की जानकारी, प्रात्रता पर्ची, पेंशन योजना, पेयजल योजना, प्रधानमंत्री आवास सहित विकास कार्यो पर समीक्षा की। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना में कैलारस और झुण्डपुरा में कोई प्रोग्रेस न होने पर नाराजगी व्यक्त की और जहां तक कहा कि मैं इसे सी.आर में अंकित करूंगा। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री पथ विर्क्रेता आत्मनिर्भर निधि योजनान्तर्गत निकाय वार समीक्षा की। जिसमें झुण्डपुरा, नगर पालिका अंबाह और निगम मुरैना की सबसे कम प्रोग्रेस होने पर असंतोष व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रवासी श्रमिकों की जानकारी प्राप्त की। जिसमें जिले की समस्त नगरीय निकायों में 3 हजार 236 प्रवासी मजूदर पोर्टल पर दर्ज थे, जिनकी स्किल मैपिंग की जानकारी 3 हजार 143 थी। जबकि किसी भी नगरीय निकायों ने प्रवासी श्रमिकों को रोजगार एवं रोजगार का प्रकार नहीं दिया। सभी नगरीय निकायों में स्थिति नंगन्य पाई गई। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की है।

साफ-सफाई में कलेक्टर के निर्देशों का नगरीय निकायों में दिखा असर

कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने गुरूवार को समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिये थे कि प्रात: 6 से 9 बजे तक समस्त सीएमओ फील्ड में पहुंचकर साफ-सफाई का

अवलोकन करेंगे। साफ-सफाई के अवलोकन के दौरान फोटो भी कलेक्टर को उपलब्ध करायेंगे। निर्देशों के तहत जिले की समस्त नगरीय निकायों में सफाई अभियान में गति आई है। समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ ने प्रात: 6 से 9 तक निकायों के वार्डों में भ्रमण कर साफ-सफाई का जायजा लिया, जहां गंदगी के ढेर पाये गये थे उन्हें तत्काल हटवाया गया और सफाईकर्मी भी सफाई कार्य करते दिखे। इस प्रकार के फोटो कलेक्टर को भेजे गये हैं। अब नगरीय निकायों में साफ-सफाई नित प्रतिदिन होगी, जिसकी मॉनीटरिंग समस्त सीएमओ प्रतिदिन करते दिखे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में अब तक 487.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। जिले में 1 जून से अभी तक 487.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 42.1 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 529.9 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। जिले की वार्षिक औसत वर्षा 706.9 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक 625.8 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। जबकि सबलगढ़ में 559, जौरा में 546 मिलीमीटर, पोरसा में 490, अंबाह में 378 और कैलारस में सबसे कम 328 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। 04 सितम्बर 2020 को सुबह 8 बजे तक सर्वाधिक 22 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई।

उप निर्वाचन 2020 के लिये पुलिस डिप्लायमेंट प्लान तैयार करने के संबंध में बैठक आज

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 की घोषणा अतिशीघ्र की जाना संभावित है। आयोग के निर्देशानुसार उप निर्वाचन 2020 के लिये जिले में पर्याप्त पुलिस बल हेतु पुलिस डिप्लायमेंट प्लान तैयार किया जाना है। इस संबंध में बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में 5 सितम्बर को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

एमसीएमसी की बैठक आज

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उप निर्वाचन 2020 की शीघ्र घोषणा की जाना है। इस संबंध में उप निर्वाचन 2020 के लिये जिला स्तरीय मीडिया मॉनीटरिंग एवं मीडिया सर्टिफिक्रेशन कमेटी (एमसीएमसी) की बैठक 5 सितम्बर को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की जायेगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा करेंगे।

स्टेडिंग कमेटी की बैठक आज

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में स्टेडिंग कमेटी की बैठक 5 सितम्बर को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की जायेगी। बैठक में स्टेडिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एलके पाण्डे ने दी है।

राम मंदिर शिलान्यास रथ यात्रा 10 को निकलेगी पोरसा शहर में तैयारियों को लेकर बनाई समिति दिनेश शर्मा बनाए गए रथ यात्रा प्रभारी

पोरसा। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पोरसा की बैठक श्री राम मंदिर शिलान्यास शिला पूजन रथ यात्रा को लेकर शिवम कॉलेज पर संपन्न हुई शिला पूजन रथ यात्रा अंबाह विधानसभा में 5 सितंबर से शुरू होगी और 12 सितंबर को समापन कार्यक्रम ग्राम धोर्रा पाडरी बाबा के मंदिर पर समापन किया जाएगा 9 सितंबर शाम 6ः00 बजे शिवम कॉलेज पर रथयात्रा रात्रि विश्राम करेगी जिसमें सभी कार्यकर्ता व सभी सामाजिक संगठनों धर्म के पदाधिकारी संयोजक व क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहेंगे शिला पूजन कार्यक्रम 10 सितंबर को वार्ड 1मंसूरपुरा से सुबह 9ः00 बजे रथयात्रा प्रारंभ होकर निकलेगी रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत व शिला पूजन कार्यक्रम किया जाएगा रथ यात्रा प्रभारी दिनेश शर्मा एवं 15 सदस्यीय समिति व्यवस्थाओं के लिए बनाई गई यह सभी रथ यात्रा की व्यवस्थाओं को देखेंगे रथयात्रा इसी प्रकार नगरा मंडल मैं 9 सितंबर व ग्रामीण मंडल पोरसा में 11 व 12 सितंबर को गांव गांव में शिला पूजन रथयात्रा जाएगी इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता रथ यात्रा प्रभारी दिनेश शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण गुप्ता राजीव शर्मा अरविंद सिंह तोमर संतोष उपाध्याय अशोक तोमर पार्षद नत्थी लाल राठौर धीरज पचौरी अवधेश राजोरिया रणजीत तोमर राजेश वर्मा विष्णु सिंह तोमर आदि लोग उपस्थित रहे

जिला स्तरीय पेड न्यूज पर नियंत्रण एवं अनुवीक्षण हेतु मीडिया सर्टिफिक्रेशन मॉनीटरिंग कमेटी का गठन

आचार संहिता के बाद 24 घंटे टीव्ही चैनलों पर की विज्ञापनों की निगरानी

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उप निर्वाचन 2020 की घोषणा शीघ्र किया जाना संभावित है। इस हेतु जिला स्तरीय पेड न्यूज पर नियंत्रण एवं अनुवीक्षण हेतु मीडिया सर्टिफिक्रेशन मॉनीटरिंग कमेटी का गठन जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने कर दिया है। यह कमेटी 24 घंटे पांचो विधानसभा क्षेत्र के टेलीविजन पर जारी होने पर विज्ञापनों की निगरानी करेगी। इस संबंध में कमेटी के समस्त सदस्यों की बैठक 5 सितम्बर को 11 बजे आयोजित की गई है। टीव्ही पर चलने वाली राजनैतिक खबरों एवं विज्ञापनों की निगरानी रखने के लिये प्रात: 6 से 2 बजे तक सहायक नियंत्रक नापतौल की श्रीमती सुनाली राजपूत, बेरिट पब्लिक स्कूली की सहायक शिक्षक श्रीमती छमा चतुर्वेदी, महिला सशक्तिकरण के श्री रवीकिरण सुमन, श्री रवीकान्त दुबे, सुश्री वर्षा गर्ग, अर्चना मुखर्जी रहेंगी।

चंबल संभाग में 2234 ट्रान्सफर्मर बदले गये

विद्युत उपभोक्ताओं की 27454 शिकायतों का निराकरण

मुरैना। चंबल संभाग में 2 हजार 234 विद्युत ट्रान्सफार्मर बदले गये। लगाये जा रहे शिकायत संबंधी शिविरों में 27 हजार 454 विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण किया है। एक समीक्षा के दौरान चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आर.के. मिश्रा ने बताया कि चंबल संभाग के मुरैना, भिण्ड और श्योपुर जिले में 69 हजार 570 विद्युत वितरण ट्रान्सफार्मर स्थापित है। इनमें से 2 हजार 389 फेल (खराब) हुये है। ट्रान्सफार्मरों में से 2 हजार 234 ट्रान्सफार्मर बदल दिये गये है। 155 ट्रान्सफार्मरों को बदलने का कार्य विद्युत कंपनी द्वारा किया जा रहा है। मुरैना जिले में स्थापित 25 हजार 366 विद्युत ट्रान्सफार्मर में से 1 हजार 93 ट्रान्सफार्मर खराब हुये थे, इनमें से 1 हजार 66 ट्रान्सफार्मरों को बदला गया है। 27 ट्रान्सफार्मरों को बदलने की कार्वाही जारी है। इसी तरह भिण्ड जिले में स्थापित 19 हजार 591 ट्रान्सफार्मरों में से 772 विद्युत ट्रान्सफार्मर फेल हुये थे। इनमें से 749 ट्रान्सफार्मर बदले गये है। 23 ट्रान्सफार्मरों को बदलने की कार्वाही जारी है। श्योपुर जिले में स्थापित 24 हजार 613 विद्युत ट्रान्सफार्मरों में से 524 ट्रान्सफार्मर फेल हुये थे, इनमें से 419 ट्रान्सफार्मर बदले गये है। 105 ट्रान्सफार्मर बदलने का काम जारी है। मध्यप्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार संपूर्ण बकाया राशि का 10 प्रतिशत राशि जमा होने पर या 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं द्वारा बकाया राशि जमा करने के उपरान्त ही ट्रान्सफार्मर बदलने की कार्वाही की जाती है। संभाग में विद्युत उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर शिविर आयोजित किये जा रहे है। संभाग के तीनों जिलों में शिविरों के माध्यम से प्राप्त हुई 27 हजार 518 शिकायतों में से 27 हजार 454 शिकायतों का निराकरण कर लिया गया है।

अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों के विकास पर इस वर्ष खर्च होंगे 80 करोड़

मुरैना। प्रदेश की अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों के अधोसंरचनात्मक विकास के लिये अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा योजना संचालित की जा रही है। इस वर्ष चयनित बस्तियों के विकास पर विभाग द्वारा 80 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। पिछले वर्ष इस योजना में 755 विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई थी। इनमें से 522 कार्य पूरा कर विभाग द्वारा करीब 51 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। विभाग द्वारा अधोसंरचनात्मक विकास की योजना में संशोधन किया गया है। अनुसूचित जाति बस्तियों से आशय ऐसी बस्तियों से है जहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या 40 प्रतिशत या उससे अधिक हो। ऐसी बस्तियों में विभाग द्वारा इस योजना में सीसी रोड, नाली निर्माण, मंगल भवन, हैण्डपम्प खनन, अनुसूचित जाति छात्रावासों से मुख्य सड़क तक पहुँच मार्ग का निर्माण कराये जाने का प्रावधान है। इस योजना में अनुसूचित जाति वर्ग की ऐसी बस्तियों में विद्युत लाईन के विस्तार का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जहाँ कि अनुसूचित जाति की बस्तियों में बिजली नहीं है। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे लघु एवं सीमांत किसानों के खेतों में विद्युत लाईन का पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष इस योजना पर 200 करोड़ रुपये खर्च कर चयनित किसानों को लाभांवित किया जायेगा।

बैंकिंग संविदा कम्प्यूटर आपरेटरों की सेवाएं 6 माह बढ़ाई जायेगी

मुरैना। प्रदेश की जिला सहकारी बैंकों में संविदा आधार पर कार्यरत कम्प्यूटर आपरेटरों की सेवाएं निरंतर रखते हुए 6 माह बढ़ाई जायेंगी। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने बुधवार को सहकारी बैंक संविदा लिपिक, कम्प्यूटर आपरेटर कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए उक्त बात कही। उन्होंने आश्वस्त किया कि कोरोना संकट को दृष्टिगत रखते हुए संविदा आधार पर कार्यरत जिन कम्प्यूटर आपरेटरों की सेवाएं 31 अगस्त, 2020 को समाप्त हो गई है, उन्हें आगामी 6 माह तक के लिये निरंतर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में आयुक्त सहकारिता को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित करेंगे।

अंबाह एसडीएम राजीव समाधिया का रेडक्रॉस सचिव ने किया सम्मान

पोरसा। एसडीएम राजीव समाधिया ने गुरुवार को अंबाह कार्यालय पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किया पोरसा प्रवास के दौरान रेस्ट हाउस पोरसा पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी पोरसा के सचिव अरुण गुप्ता ने एसडीएम का शॉल श्रीफल से स्वागत सम्मान किया राजीव समाधिया एसडीएम ने कहा की मैंने हमेशा कार्य को ही सर्वप्रथम समझा है और जनता की समस्याओं को सुना है क्षेत्रीय जनता की हर समस्या का समाधान होगा इसके लिए हम जनसुनवाई कार्यक्रम भी पोरसा में एक दिन निश्चित कर करेंगे जिससे सभी की समस्याओं का हल किया जा सके इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता राजेश वर्मा अरविंद सिंह रामपाल सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

सेक्टर ऑफीसरों के वाहनों में रहेंगे जीपीएस सिस्टम : कलेक्टर

मुरैना। उपचुनाव 2020 की घोषणा के बाद सभी अधिकारी, कर्मचारी इलेक्शन मोड आ जायेंगे। चुनाव कार्य में एक बार गलती हुई तो उसे द्वारा सही कराने की गुंजाईश नहीं रहेगी। इसलिये जिस अधिकारी, कर्मचारियों को चुनाव कार्य का जो काम सौंपा है, उस कार्य को प्राथमिकता के साथ शतप्रतिशत शुद्ध करें। इसके साथ ही सेक्टर ऑफीसरों के चुनाव के दौरान वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाये जायेंगे। जीपीएस सिस्टम लगने के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय के पोर्टल पर सेक्टर ऑफीसरों के वाहन दिखाई देते रहेंगे। अब सेक्टर ऑफीसर मन चाहे जगह पर ड्यूटी के नहीं रूककर अपने कार्यक्षेत्र के मतदान केन्द्र पर रूक सकेंगे। यह निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने शुक्रवार को अंबाह पीजी कॉलेज में प्रशिक्षण बतौर सेक्टर ऑफीसरों को दिये। इस अवसर पर डिप्टी इलेक्शन ऑफीसर श्री एलके पाण्डे, एसडीएम

अंबाह श्री राजीव समाधिया, तहसीलदार श्री सर्वेश यादव, नायब तहसीलदार श्री नागोरिया सहित अंबाह विधानसभा क्षेत्र के लिये बनाये गये 25 सेक्टर ऑफीसर उपस्थित थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि चुनाव कार्य में सेक्टर ऑफीसर अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन कर लें, क्रिटिकल एवं वल्नरेवल मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिसमें मानचित्र में दर्शाया गया मार्ग सुगम है। मतदान केन्द्रों पर पहुंचने मार्गो को सुनिश्चित करें। नये मतदान केन्द्र बनें तो उनमें डबल डोर, रैम्प का अवलोकन जरूर करें। उन्होंने कहा कि राजनैतिक दलों के कार्यालय मतदान केन्द्र के 200 मीटर की परिधि के अंदर नहीं हों। प्रचार वाहनों की गतिविधियां संपत्ति विरूपण अनाधिक्रत प्रचार सामुदायिक भवन, सरकारी वाहनों, शासकीय सेवाओं, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर नजर रखना। प्रति 2 घंटे पर मतदान का टर्न आउट क्षेत्र स्वीप की क्रियाकलाप सहित ईव्हीम मशीन की संपूर्ण जानकारी का ज्ञान होना चाहिये। मतदाताओं के गांव, मजरे, टोले जो कि भय एवं खतरे से युक्त है, उनकी पहचान करना। ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना जो चुनाव प्रक्रिया को बाधित कर सकते है, उनके नाम की पहचान कर आरओ एवं एआरओ को अवगत कराना। मतदान दल सामग्री लेने के बाद चुनाव संपन्न कराने तक वह चुनाव सामग्री जमा कराने के पश्चात् ही सेक्टर ऑफीसर चुनाव कार्य से मुक्त होंगे।

मेडिटेशन के हैं फायदे अनेक, सभी दर्दों का इलाज हो जाएगा

कहते हैं कि समय का पहिया किसी के लिए नहीं रूकता। समय के साथ जैसे-जैसे उम्र बढ़ने लगती है, मनुष्य को बहुत सी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। खासतौर से, वर्तमान युग की जीवनशैली को देखते हुए कम उम्र में ही ढेरों बीमारियां भी मनुष्य के शरीर को अपना घर बना लेती हैं। इन सब परेशानियों से निजात पाने के लिए आपको महंगे व दर्दनाक ट्रीटमेंट करवाने पड़ते हैं। लेकिन यदि आप मेडिटेशन का सहारा लें तो आपको बिना किसी दर्द के अपनी सभी मर्ज का इलाज मिल जाएगा। मेडिटेशन आपके सिर्फ तन को ही नहीं, बल्कि मन को चुस्त-दुरूस्त बनाकर आपको हर तरह से फिट बनाता है। इसे कहते हैं हींग लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा।

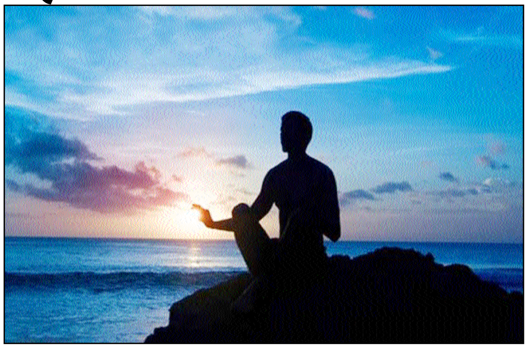

फायदों की खान

मेडिटेशन एक ऐसी दवा की तरह काम करता है, जिसके जरिए बाहरी व भीतरी हर तरह के मर्ज का इलाज किया जा सकता है। इसके फायदों की तो कोई गिनती ही नहीं है। इससे आपकी एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही इससे दिमाग भी तेज और एक्टिव होता है। यह आपके एजिंग के साइन्स को कम करके आपको लंबे समय तक जवां बनाता है। इतना ही नहीं, आपकी इम्युनिटी को बढ़ाकर हर प्रकार की बीमारी से लड़ने में मदद करता है। अगर आपको बहुत अधिक गुस्सा आता है तो मेडिटेशन आपके गुस्से पर भी लगाम लगाता है। अगर आप हर रोज मेडिटेशन करते हैं तो आपको नींद भी अच्छी आती है। जिससे आपका पूरा दिन खुशहाल बीतता है।

न तोड़ें रूटीन

अगर आप वास्तव में चाहते हैं कि आपको मेडिटेशन का फायदा मिले तो इसके लिए आपको मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करना होगा। आप चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हों, लेकिन खुद के लिए पांच मिनट निकालना तो आपके लिए असंभव नहीं होगा। मेडिटेशन रोजाना करना बेहद आवश्यक है। कभी-कभार करने से कोई फायदा नहीं होने वाला।

यूं करें मेडिटेशन

मेडिटेशन करने के लिए आपको सबसे पहले रिलैक्स होना सीखना होगा। इसके लिए आप आराम से लेट जाएं और आंखें बंद कर लें। फिर गहरी सांस लें। इसके पश्चात् अपने सीधे पैर पर सारा ध्यान ले जाएं। पंजे को आगे और पीछे की ओर खींचें। एक बार खींचने पर दो बार गहरी सांस लें और छोड़ें। इतनी देर तक पंजे को उसी पॉजिशन में रखें। इसके बाद पैर के तनाव को रिलीज कर दें। फिर गहरी सांस लें और उल्टे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। पूरी बॉडी को रिलैक्स करने के लिए आप शरीर के हर भाग मसलन टखना, घुटना, कोहनी, हथेली आदि के साथ भी यही प्रक्रिया करें। धीरे-धीरे आप पूरी बॉडी को रिलैक्स करना सीख जाएंगे। इस प्रक्रिया को करने के लिए आपको सिर्फ पांच मिनट लगेंगे। आप चाहें तो रिलैक्स होने के लिए मेडिटेशन के दौरान कोई सॉफ्ट म्यूजिक भी लगा सकते हैं।

चिकनगुनिया का घंटे भर में पता लगाएगा यह उपकरण

अमेरिका द्वारा विकसित एक नए उपकरण की मदद से स्वास्थ्यकर्मी अब किसी मरीज में चिकनगुनिया संक्रमण का घंटे भर के अंदर पता लगा सकेंगे। अब तक चिक नगुनिया की जांच का परिणाम आने में कई दिन या सप्ताह भर लग

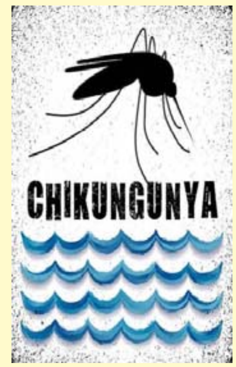

जाता है, लेकिन अब इस नए उपकरण की मदद से तुरंत चिकनगुनिया के संक्रमण का पता लगाया जा सकेगा। चिकनगुनिया संक्रमित मादा एडीज मच्छर के काटने से होता है तथा संक्रमित व्यक्ति को बुखार, दर्द और मांसपेशियों तथा जोड़ों में सूजन की समस्या होती है। इसके अलावा सिर में दर्द और खराश की शिकायत भी हो सकती है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार अगर चिकनगुनिया की महामारी फैलती है तो स्वास्थ्यकर्मियों के लिए यह उपकरण तेजी से रोग का पता लगाने में बेहद मददगार साबित होगा, जिसके लिए किसी विशेष उपकरण, विशेषज्ञ या प्रशिक्षण की जरूरत नहीं है। अमेरिका के सैन्य चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा चिकनगुनिया पर इस उपकरण का परीक्षण किया है। यह गर्भ का पता लगाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसा ही है, जिसे रसायन के लेप के साथ उपयोग किया जाता है। चिकनगुनिया की जांच के लिए इस समय प्रयोगशाला में काफी भारी भरकम मशीनों का इस्तेमाल किया है तथा इसके उपयोग के लिए काफी प्रशिक्षण की भी जरूरत होती है। अमेरिका के ÷वेक्टर टेस्ट सिस्टम्स इंक द्वारा विकसित इस उपकरण को कोई भी नौसिखिया कहीं भी ले जाकर इस्तेमाल कर सकता है। इस उपकरण की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे इस्तेमाल करने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती।

मुंह की बदबू से परेशान हैं तो इस तरह पा सकते हैं छुटकारा

कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके मुंह से अक्सर बदबू आती रहती है। ऐसे लोग किसी के भी सामने खुलकर बात करने से घबराते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शुमार है तो अब आपको परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप चाहें तो कुछ बेहद आसान उपायों के जरिए अपनी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में-

सौंफ का स्वाद

मुंह को फ्रेश रखने के लिए सौंफ से बेहतर और कुछ हो ही नहीं सकता। इसका स्वाद तो बेहतरीन होता है ही, साथ ही इसके एंटी माइक्रोबियल तत्व बैक्टिरिया से लड़ने का भी काम करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप खाना खाने के बाद एक चम्मच सौंफ चबाकर खाएं। इसके अलावा आप चाहें तो सौंफ के पानी से कुल्ला भी कर सकते हैं। इसके लिए आप एक गिलास पानी में एक चम्मच सौंफ उबालिए और हल्का गुनगुना होने पर इससे कुल्ला करें।

रखें खुद को हाइड्रेट

गर्मी के मौसम में पानी की अधिकता सिर्फ निर्जलीकरण से ही आपको नहीं बचाती, बल्कि यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने का भी एक आसान उपाय है। दरअसल, मुंह से बदबू आने का एक कारण आपके शरीर में पानी की कमी भी होता है। जब आप पानी कम मात्रा में पीते हैं तो इससे आपका मुंह सूखने लगता है और आपके मुंह में लार नहीं बनती। यही लार आपके मुंह के बैड बैक्टीरिया को नियंत्रित करती है और आपके मुंह से बदबू नहीं आती। लेकिन जब आप पानी कम मात्रा में पीते हैं तो यह बैड बैक्टीरिया विकसित होने लगते हैं और आपके मुंह से दुर्गंध आती है।

खाने का रखें ख्याल

आप जो कुछ भी खाते हैं, उसका प्रभाव भी आपकी सांसों पर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप प्याज, लहसुन, अत्यधिक अम्लीय या फ्रक्टोज युक्त शुगर का सेवन करने से बाद में आपके मुंह से स्मेल आती है। इसलिए आप ऐसे भोजन को खाने के बाद ब्रश अवश्य करें, ताकि आपके मुंह के बदबू न आए।

सेब का कमाल

आपको शायद जानकर हैरानी हो लेकिन सिर्फ सेब की मदद से भी मुंह से आने वाली बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप हर रोज सेब को चबा-चबाकर खाएं। इससे निकलने वाला रस आपके मुंह में लार को बढ़ावा देता है, जिसके कारण आपके मुंह से बदबू नहीं आती। इसके अतिरिक्त रोजाना एक सेब का सेवन करने से आपके पीले दांतों की समस्या भी दूर होती है।

इस्तेमाल करें सरसों का तेल

अगर आप अपने मुंह की दुर्गंध से छुटकारा पाना चाहते हैं तो चुटकी भर नमक में 1 बूंद सरसों के तेल की डाल लें और इससे दांतों और मसूढ़ों का मालिश करें। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने के साथ-साथ दांतों की अन्य समस्याओं जैसे दांत दर्द व पीलेपन को भी दूर करता है।

चेहरे की सुंदरता बढ़ानी है तो टमाटर को इस तरह करें इस्तेमाल

टमाटर के बिना सब्जी बेस्वाद ही नजर आती है। अमूमन इसका प्रयोग घरों में सब्जी का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सलाद व सूप बनाने में किया जाता है। हर रूप में अपने टेस्ट से आपको लुभाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट युक्त यह टमाटर आपकी सेहत का ख्याल तो रखते हैं ही, साथ ही यह आपके चेहरे की सुंदरता को भी कायम रखते हैं। अगर आप बेहद कम दाम में अपनी स्किन का ख्याल रखना चाहती हैं तो टमाटर का इस्तेमाल करें। यह आपको एक बेहतरीन स्किन देते हैं। वो कहते हैं ना, हींग लगे न फिटकरी, रंग भी चोखा। तो चलिए जानते हैं टमाटर से स्किन को होने वाले फायदों के बारे में-

एक्ने से छुटकारा

टमाटर में प्राकृतिक अम्ल पाए जाते हैं जो आपके चेहरे पर मौजूद मुंहासों को कम करने का काम करते हैं। इसके अतिरिक्त टमाटर में विटामिन ए, विटामिन सी व विटामिन के भी पाया जाता है, जिसके कारण अगर आप चेहरे पर टमाटर का प्रयोग करते हैं तो आपको एक्ने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। इसके इस्तेमाल के लिए आप टमाटर का पल्प निकाल कर उसे अपने चेहरे पर लगाएं। इसे करीबन एक घंटे से लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरा वॉश करें और इसके बाद उसे मॉइश्चराइज करना न भूलें।

कॉम्बिनेशन स्किन के लिए वरदान

अगर आपकी स्किन कॉम्बिनेशन है तो आपके लिए टमाटर का इस्तेमाल काफी लाभदायक हो सकता है। टमाटर में मौजूद तत्व आपकी स्किन के अतिरिक्त तेल को बैलेंस करने के साथ ब्लैकहेड्स आदि से भी आपको छुटकारा दिलाते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप मैश्ड टोमैटो में एवोकाडो मिलाकर एक पैक बनाएं। अब इस पैक को चेहरे पर लगाकर करीबन आधे घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

सनबर्न को कहे अलविदा

गर्मी के मौसम में आपको सबसे ज्यादा जिस परेशानी से जूझना पड़ता है वह है सनबर्न। धूप में बाहर निकलने से सूरज की हानिकारक किरणों से आपको टैनिंग व सनबर्न की समस्या होती है। इससे निजात दिलाने में भी टमाटर आपकी मदद कर सकता है। दरअसल, टमाटर में लाइकोपीन पाया जाता है, जो एक नेचुरल सनस्क्रीन की तरह काम करता है।

सुबह उठते ही ढूंढते हैं मोबाइल

कुछ लोग सुबह उठते ही सबसे पहले मोबाइल फोन को ढूंढते है. अगर आप भी यही कुछ कर रहे हैं तो जरा सावधान हो जाए क्योंकि एक रिसर्च के अनुसार, 80 प्रतिशत लोग सुबह उठने के बाद अपना फोन देखना पसंद करते है . इसके साथ ही उठने के सिर्फ 15 मिनट के अंदर ही 5 में से 4 लोग अपने फोन को चेक करते है. मगर ऐसा करना उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत पर अपना गहरा और बुरा असर डालता है ऐसे लोगों को हैल्थ से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता तो चलिए आपको बताते हैं इसके बारे में... फोन को जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से दिल और दिमाग में अलग-अलग चीजें घूमती है. ऐसे में बिहेव में बदलाव आने लगता है. व्यक्ति गुस्सा, चिड़चिड़ा बर्ताव करने लगता है. इसके अलावा अजीब व भयानक चीजें देखने पर बहुत से लोगों में डर पैदा होने लगता है. जो लोग ऐसा करते हैं वो ज्यादा स्ट्रेस यानि कि तनाव में रहते हैं. बार-बार फोन स्क्रीन को स्क्रोल कर चेक करना कि कल क्या किया था आज क्या करना है. ऐसे लोगों के मन में काम को पूरा करने के प्रति डर और चिंता होने लगती है. ऐसे होने पर ऐसे लोगों की सुबह के समय में ही शरीर की ऊर्जा कम होने लगती है. थकान व सुस्ती महसूस होने लगती है. साथ ही एकाग्रता शक्ति कम हो तनाव बढ़ने लगता है. घंटों फोन में आंखे घुसाए रहने से आंखों को पूरा आराम नहीं मिल पाता नतीजा आंखें कमजोर होने लगती हैंवहीं 1 जगह घंटों बैठे रहने से मोटापा बढ़ता है. फोन को बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने वाले लोगों की एकाग्रता शक्ति में कमी आने लगती है.

दवा लेते समय इन बातों का रखे खयाल

किसी दवा को लेने पर पेट खराब हो जाए, स्किन रैशेज या सूजन आए तो फौरन विशेषज्ञ से संपर्क कर उन्हें बताएंदवा लेने के कुछ खास तरीके होते हैं यदि इनका ध्यान रखा जाए तो कई दिक्कतों से बचा जा सकता है-

1. आपके नियमित डॉक्टर आपकी फैमिली हिस्ट्री व मेडिकल कंडीशन से काफी हद तक वाकिफ होते हैं लेकिन अगर आप किसी नए डॉक्टर के पास जा रहे हैं तो उन्हें मेडिक ल हिस्ट्री व फिलहाल जो दवाएं ले रहे हैं उनकी जानकारी अवश्य दें। किसी मेडिसिन से एलर्जी है तो इसे भी विशेषज्ञ को अवश्य बताएं।
2. अपनी मर्जी से पुराने प्रिसक्रिप्शन के आधार पर दवाएं न लें क्योंकि कई दवाएं तात्कालिक लक्षणों एवं इलाज के हिसाब से दी जाती हैं।
3. किसी दवा को लेने पर पेट खराब हो जाए, स्किन पर रैशेज या सूजन आए तो फौरन विशेषज्ञ से संपर्क कर उन्हें बताएं।
4. दवा खाली पेट लेनी है या खाना खाकर, यह जानकारी जरूर लें।
5. मेडिसिन की एक्सपायरी डेट जरूर देख लें। तारीख सही हो लेकिन दवाई पिघली हुई, बदशक्ल या बदरंग लग रही हो तो उस दवा को न लें।

न्यूयार्क में अमेरिकी ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की अमांडा एनीसिमोवा।

होटल नहीं किराए के घर में रह रहे जोकोविच, दो सप्ताह का किराया 29 लाख

न्यूयार्क। नोवाक जोकोविच ने अपने शानदार करियर में अभी तक 14 करोड़ डॉलर के अलावा विज्ञापनों से भी कई करोड़ डॉलर कमाई की है। इसके बाद यदि वह यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दौरान होटल के बजाय किराए पर बड़ा घर लेकर ले रहे हैं,तब कोई हैरानी की बात नहीं। वह 2 पखवाड़े तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए 40,000 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपए) किराया दे रहे हैं, लेकिन उनके शब्दों में इससे मिलने वाले आराम की कोई लागत नहीं है।जोकोविच ने दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद कहा,जैसे ही हमें होटल के बजाय के किसी घर में रहने का विकल्प दिया गया, मैंने तुरंत इस पर अमल किया। मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। उन्होंने कहा,किसी भी खिलाड़ी के पास ऐसा मौका था। यह केवल शीर्ष खिलाड़ियों के लिए ही विशेषाधिकार नहीं था। कोई भी पैसा खर्च करके किराए के घर में रह सकता था। मैं जानता हूं कि बहुत कम खिलाड़ी किराए पर घर लेकर रह रहे हैं, लेकिन यह अपनी पसंद है। कोरोना के बावजूद यूएस ओपन में भाग ले रहेअधिकतर खिलाड़ियों ने आधिकारिक टूर्नामेंट होटल में ठहरने को प्राथमिकता दी।

आईपीएल के इतिहास में क्रिस गेल और डेविड वार्नर ने एक से ज्यादा बार हासिल किया ऑरेंज कैप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग का दर्जा प्राप्त है। देश और दुनिया के तमाम धाकड़ बल्लेबाज टूर्नामेंट में उतरते हैं। हालांकि, कुछ ही खिलाड़ी हैं, जो अपनी छाप आईपीएल में छोड़ पाए हैं। ये प्रतियोगिता काफी मुश्किल कही जाती है, क्योंकि इसमें भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया भर की अन्य टीमों के खिलाड़ी भी खेलते हैं। यही चीज आइपीएल में सबसे ज्यादा रोमांच पैदा करती है। आइपीएल के फाइनल के बाद टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को इनाम के तौर पर अवॉर्ड दिए जाते हैं। इसमें एक अवॉर्ड ऑरेंज कैप भी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और आईपीएल की आयोजन समिति मिलकर एक निर्धारित रकम के साथ एक ऑरेंज कैप उस खिलाड़ी को देती है, जिसने लीग में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। अपने दमदार बल्लेबाजी के दम पर सिर्फ एक खिलाड़ी है,टूर्नामेंट का ऑरेंज कैप विनर होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि भले ही आइपीएल इंडियन प्रीमियर लीग हो, लेकिन सिर्फ 3 बार ही ऐसा हुआ है,जब किसी भारतीय खिलाड़ी को ऑरेंजकैप मिली है। इनमें एक नाम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भी शामिल है,जिन्हें 2010 में ऑरेंज कैप मिली थी। आईपीएल के 12 साल के इतिहास में अगर कोई खिलाड़ी सबसे ज्यादा बार ऑरेंज कैप हासिल करने में सफल हुआ है,तब ये नाम भारतीय नहीं, बल्कि विदेशी हैं। वेस्टइंडीज के तूफानी ओपनर क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलियाई धाकड़ सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ही।वे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक से ज्यादा बार ऑरेंज कैप अपने नाम करने में सफलता प्राप्त की है।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनने की इच्छा रखती हैं, नवजोत

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर नवजोत कौर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को देकर कहा कि वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनना चाहती हैं। भारतीय अग्रिम पंक्ति की महत्वपूर्ण खिलाड़ी नवजोत ने कहा,किसी भी हॉकी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है,और मुझे खुशी है कि मुझे मेरी साथियों के बनाए गए मौकों को भुनाने का अवसर दिया गया है।%स्ट्राइकर नवजोत कौर ने कहा,इस काम के साथ काफी दबाव भी जुड़ा है,लेकिन मैंने अब तक इस चुनौती का पूरा लुत्फ उठाया है। मैं अपनी तकनीक पर काम जारी रखना चाहती हूं और उम्मीद है कि एक दिन मैं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनूंगी। भारत की तरफ से अब तक 172 मैच खेलने वाली नवजोत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया जो शुरू से चाहते थे कि उनके तीनों बच्चे खेलों से जुड़ें। नवजोत ने कहा, 'अगर मुझे अपने माता पिता विशेषकर पिताजी का सहयोग नहीं मिलता तो आज मैं जहां हूं वहां नहीं पहुंच पाती। मेरे पिताजी ने मुझे स्कूल में हॉकी खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उनका शुरू से सपना था कि उनका एक बच्चा खिलाड़ी बने और मुझे वास्तव में बहुत खुशी है कि मैं उनका सपना पूरा करने में सफल रही। %हरियाणा के कुरूक्षेत्र की रहने वाली इस स्ट्राइकर ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखूंगी तथा खेल में अपनी उपलब्धियों से अपने माता पिता को गौरवान्वित करूंगी।

अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में हारे नागल

न्यूयार्क। युवा खिलाड़ी सुमित नागल की हार के साथ ही अमेरिकी ओपन टेनिस में भारत की उम्मीदें समाप्त हो गयी हैं। पुरुष एकल के दूसरे दौर में नागल को ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थीम ने हराया। गुरुवार को खेले गए अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर के मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त थीम ने नागल को 6-3, 6-3, 6-2 के हराया। थीम ने भारतीय खिलाड़ी को हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी। नागल ने थीम के खिलाफ पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन किया पर इसके बाद के सेटों में वह थीम के आगे टिक नहीं पाये। इससे पहले नागल ने पहले दौर में अमेरिका के ब्रैडली क्लैन को हराया था। नागल ने अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के दूसरे दौर में जगह बनाई थी। भारत की तरफ से सात साल बाद पुरुष एकल में किसी ने दूसरे दौर में जगह बनायी थी। नागल ने क्लैन से पहले दौर का मुकाबला 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से जीता था। उन्होंने शुरुआती दोनों सेट अपने नाम किए लेकिन तीसरे सेट में ब्रैडली ने 6-3 से वापसी की। इसके बाद चौथे सेट में सुमित ने 6-1 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया था।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनने की इच्छा रखती हैं, नवजोत

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर नवजोत कौर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को देकर कहा कि वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनना चाहती हैं। भारतीय अग्रिम पंक्ति की महत्वपूर्ण खिलाड़ी नवजोत ने कहा,किसी भी हॉकी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है,और मुझे खुशी है कि मुझे मेरी साथियों के बनाए गए मौकों को भुनाने का अवसर दिया गया है।%स्ट्राइकर नवजोत कौर ने कहा,इस काम के साथ काफी दबाव भी जुड़ा है,लेकिन मैंने अब तक इस चुनौती का पूरा लुत्फ उठाया है। मैं अपनी तकनीक पर काम जारी रखना चाहती हूं और उम्मीद है कि एक दिन मैं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनूंगी। भारत की तरफ से अब तक 172 मैच खेलने वाली नवजोत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया जो शुरू से चाहते थे कि उनके तीनों बच्चे खेलों से जुड़ें। नवजोत ने कहा, 'अगर मुझे अपने माता पिता विशेषकर पिताजी का सहयोग नहीं मिलता तो आज मैं जहां हूं वहां नहीं पहुंच पाती।

भारत के इनियन ने विश्व ओपन ऑनलाइन शतरंज जीता

चेन्नई। भारत के पी इनियन ने विश्व ओपन ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। तमिलनाडु के इनियन ने संभावित नौ में से 7.5 अंक हासिल किये। वह छह जीत और तीन ड्रॉ के साथ टूर्नामेंट में नंबर एक पर रहे। इनियन ने इस दौरान अपने से अधिक रैंकिंग वाले कई ग्रैंडमास्टर को हराया। इनियन ने जॉर्जिया के ग्रैंडमास्टर बादुर जोबावा, सैम सेवियान, अमेरिका के सर्गेई एरेनबर्ग और उक्रेन के निजिक इलिया को पराजित किया। इनियन और जुगिरो सनन के समान 7.5 अंक रहे पर टाईब्रेक में अधिक स्कोर के कारण वह विजेता घोषित किये गये। इससे पहले भारतीय शतरंज टीम ने भी ऑनलाइन विश्व शतरंज ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीता था। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने कोविड-19 महामारी को देखते हुए ओलंपियाड का ऑनलाइन आयोजन किया था।

बर्मन ने कहा, डाबर ऑनलाइन बिक्री माध्यमों को लक्ष्य करके आगे बढ़ रही

नई दिल्ली। डाबर इंडिया के चेयरमैन अमित बर्मन ने कहा कि कोरोना संक्रमण से लोगों के बीच मांग की प्राथमिकता बदली है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक उत्पादों के उपभोक्ता बढ़े हैं और उनकी कंपनी इस रुख के अनुरूप काम करने के लिए पहले से मजबूत स्थिति में है।कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए बर्मन ने कहा कि 136 साल पुरानी डाबर अपने नौ 'पावर ब्रांड' पर और ध्यान देगी। साथ ही नवोन्मेष पर आधारित यात्रा को जारी रखेगी ताकि, महामारी के असर को कम से कम किया जा सके। कंपनी भविष्य के लिए और मजबूती से उभरकर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा डाबर ऑनलाइन बिक्री माध्यमों को लक्ष्य करके आगे बढ़ रही है। लॉकडाउन के बाद कंपनी इस क्षेत्र में मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरी है, आने वाले समय में कंपनी की योजना ई-वाणिज्य मंचों के लिए विशेष उत्पाद पेश करने की है। बर्मन ने कहा,यह डाबर के लिए एक बड़ा अवसर है। यह हमारे हर घर के स्वास्थ्य में हिस्सेदार बनने के लक्ष्य के अनुरूप है।कंपनी ने हाल ही में 50 से अधिक नए उत्पाद पेश किए हैं,इसमें से अधिकतर लॉकडाउन के दौरान या उसके बाद बाजार में उतारे हैं। उन्होंने कहा, संकट के काल को कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए। इस संकट ने ग्राहकों के खरीदारी व्यवहार को बदला है और अधिकतर ग्राहक ऑनलाइन खरीद की ओर मुड़े हैं।

रुपया मजबूती के साथ खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में शुक्रवार को भारतीय रुपया 73.38 पर मजबूती के साथ खुला, और आगे बढ़त दर्ज करते हुए 73.35 के स्तर तक आ गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भारी बिकवाली के कारण रुपये में शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव आया है। स्थानीय मुद्रा शुरुआती लाभ को बरकरार नहीं रख पाई और पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल एक पैसे की तेजी के साथ 73.46 के स्तर पर कारोबार कर रही थी। वहीं तेल आयातकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपया 44 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.47 के स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू इक्विटी बाजारों में भारी बिकवाली और अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के चलते ही रुपये पर यह दबाव आया है।

शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार की शुक्रवार को कमजोर शुरुआत हुई और बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के कारण घरेलू बाजार में भी बिकवाली हावी रही जिससे बाजार टूटने लगे। शुरुआती कारोबार के दौरान ही 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 615.70 अंक करीब 1.58 फीसदी की गिरावट के साथ 38,375.24 पर कारोबार कर रहा था, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 170.40 अंक तकरीबन 1.48 फीसदी की गिरावट के साथ 11,357.05 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो फीसदी की गिरावट एसबीआई के शेयरों में आई है, वहीं एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी और एचसीएल टेक भी गिरे। केवल मारुति के शेयरों में बढ़त आई। पिछले सत्र में सेंसेक्स 95.09 अंक या 0.24 फीसदी नीचे आकर 38,990.94 पर बंद हुआ था, और निफ्टी 7.55 अंक या 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 11,527.45 पर बंद हुआ। आंकड़ों के अनुसार गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सकल आधार पर 7.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। कारोबारियों का मानना है कि वैश्विक इक्विटी में बड़े पैमाने पर बिकवाली का असर भी घरेलू बाजार पर पड़ा है। दिग्गज शेयरों के साथ ही मिडकैप शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिल रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.6 फीसदी की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। वहीं, स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली नजर आ रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 2 फीसदी की भारी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी आज कमजोरी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.89 फीसदी की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है।

संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिला पंचायत सीईओ ने दिए निर्देश

पूर्ण हो चुके गौशाला परिसर में एक हफ्ते में गौशालाएँ शुरू कराएँ : शिवम वर्मा

ग्वालियर। जिन गौशालाओं का निर्माण पूरा हो चुका है उनमें एक हफ्ते के भीतर गौशालायें शुरू कराएँ। गौशालाओं के संचालन केलिये समिति भी गठित की जाएँ। गौशाला संचालन की जिम्मेदारी स्व–सहायता समूहों के माध्यम से कराया जाए। इसके लिये समूहों से विधिवत अनुबंध की कार्रवाई एक हफ्ते में पूरी कर लें। इस आशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा गौशाला निर्माण से जुड़े विभागों के अधिकारियों को दिए। ज्ञात हो बेसहारा गौवंश की उचित देखभाल के लिए जिले की हर जनपद पंचायत के अंतर्गत गौशालाओं का निर्माण किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि गौशालायें आय का जरिया बनें, इसके लिये गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, दिये, गमले व गौ काष्ठ का निर्माण शुरू कराएँ। गौशाला संचालन के संबंध में स्व–सहायता समूहों की दीदीयों को आवश्यक प्रशिक्षण भी दिलाया जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत सरपंच व सचिवों के माध्यम से गौशाला के समीप चारागाह विकसित कराने के निर्देश भी दिए। गौशालाओं में विद्युतीकरण, रंगाई–पुताई तथा अन्य शेष काम जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश भी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने दिए। उन्होंने गौशाला के आस–पास फलदार वृक्षारोपण कराने पर भी बल दिया। साथ ही कहा कि वृक्षारोपण के रख–रखाव की पुख्ता व्यवस्था हो जिससे लगाए गए पौधे पेड़ बन सकें। बैठक में उप संचालक कृषि, पशु चिकित्सा सेवाएँ, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी, जनपद पंचायतों के सीईओ, सहायक यंत्री व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस राजनैतिक दल नहीं बल्कि ज्योतिष बन गयी है- सिंधिया

ग्वालियर। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन के बाद पहली बार तय समय से 1 घंटा लेट महाराज बाड़ स्थित भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन पहुंचे। सबसे पहले कार्यकर्त्ताओं का अभिवादन स्वीकारते हुए श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इसके बाद वेदप्रकाश शर्मा एकात्मवाद पर आधारित पुस्तक ज्योतिरादित्य सिंधिया को सौंपी इस मौके पर श्री सिंधिया ने कहा मुझे और भी कहीं मिली है। मैं पर अमल का प्रयास करूंगा। इस मौके पर वेदप्रकाश शर्मा, जयसिंह कुशवाह, समीक्षा गुप्ता, सुधीर गुप्ता आदि मौजूद रहें। संभागीय संगठन मंत्री अभिषेक तिवारी से 1 घंटे की गुफ्तगू की एकांत में मुखर्जी भवन स्थित निवास पर संभागीय संगठन मंत्री अभिषेक तिवारी के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लगभग 1 घंटे बातचीत की यह माना जा रहा है आगामी विधानसभा उपचुनाव का लेकर चर्चा की गयी है। लेकिन यह चर्चा बन्द कमरे हुई इसलिये कुछ बता पाना मुश्किल है। सबसे पहले जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी जो अभी हाल ही में कोरोना का इलाज कराकर दिल्ली से लौटे है के संबंध में चर्चा की। बैठक में मोहनसिंह राठौर और ऊर्जामंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर साथ थे। संभागीय संगठन मंत्री अभिषेक तिवारी से बातचीत करने के बाद मीडिया सेंटर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मैं भाजपा कार्यालय में हूं सौभाग्य का विषय है यहां से संभाग की राजनैतिक गतिविधियां संचालित होती हैं। यहां पर मुझे युवाओं, वरिष्ठ, कनिष्ठ, महिलाओं और सभी कार्यकर्त्ताओं से मिलकर बड़ी खुशी हुई। कार्यकर्त्ता किसी भी राजनैतिक दल की रीड् हड्डी होते हैं । मेरा यहीं संकल्प है हमसब एक साथ मिलकर इस क्षेत्र में कई ऐसे लोग है जिन्होंने धार्मिक कार्य किये हैं इन लोगों के साथ मिलकर दशकों का जनसेवा का इतिहास बनाये। वर्तमान में 27 विधानसभाओं के उपचुनाव होना है हर चुनाव को गंभीरतापूर्ण लेना है यह हम सबका दायित्व है और इस अभियान में एक एक नेता कार्यकर्त्ता के समान जमीन पर पूरी तरह से डटकर भाजपा का झंडा, मोदी जी का झंडा, अमित शाह जी का झंडा, नड्डा जी का झंडा और पूरी तरह से परचम लहरायेगा इसका मुझे पूरा विश्वास है। कांग्रेस ने आपकी सदस्यता का डाटा फर्जी बताने के सवाल पर ज्योतिरादित्य देखिये जब कांग्रेस के पास बात करने का कोई मुद्दा नहीं है तो वह इस तरह की बात करती है मैंने स्वयं ने एक एक विधानसभा का डाटा अध्यक्ष जी सौंपा है और कांग्रेस भाजपा की चिंता न करे, कांग्रेस अपनी खोई हुई जनता के बीच में विश्वास की ज्यादा चिंता करें। एक अन्य सवाल भाजपा की 25 विधानसभा सीटों पर जमानत जब्त होने के सवाल पर श्री सिंधिया ने कहा मुझे लग रहा है कि कांग्रेस राजनैतिक दल नहीं बल्कि ज्योतिष बन गयी हैं।

आईएमए ग्वालियर की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

ग्वालियर आईएमए ग्वालियर की नई कार्यकारिणी के गठन उपरांत शपथ समारोह आयोजित किया गया। कोरोना महामारी को देखते होटल आदित्याज में हुए संक्षिप्त कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी ने अपना कार्यभार ग्रहण किया। जिसमें नए अध्यक्ष डॉ प्रदीप राठौर, उपाध्यक्ष डॉ कुसुमलता सिंघल एवम् डॉ अक्षय निगम, सचिव डॉ सुनील शर्मा ने नियुक्त होकर अपनी नई टीम के साथ कार्यभार ग्रहण किया। गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एसएन अयंगर ने सभी को शपथ दिलाई एवम् मध्य प्रदेश आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ एएस भल्ला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इमरती देवी ने एक बार फिर दोहराई आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को अंडा परोसने की मांग

ग्वालियर। मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी ने अपनी ही सरकार के एक फैसले खिलाफ अड़ गई हैं। मंत्री ने एक बार फिर दोहराया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को अंडा परोसना जरुरी है। पार्टी में कोई विरोध करता है तो मुझे फर्क नहीं पड़ता। अंडों से बच्चों में कुपोषण दूर होगा। जो बच्चे अंडे नहीं खाते उन्हें फल दिए जाएंगे। जयविलास पैलेस में मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, %कमलनाथ सरकार थी तब भी कहा था की आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को अंडे परोसे जाएंगे, आज भाजपा सरकार है तब भी कह रही हूं, कुपोषण खत्म करने के लिए जिस चीज की आवश्यकता होगी वह बच्चों को परोसा जाएगा। इमरती देवी ने कहा, %डॉक्टर से सलाह लेकर आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पौष्टिक आहार परोसे जाएंगे। जो बच्चे अंडे खाते हैं उन्हें ही दिया जाएगा, जो नहीं खाते उन्हें फल दिए जाएंगे। किसी बच्चे को जबरदस्ती अंडे नहीं खिलाए जाएंगे। इमरती देवी ने कहा कि मैंने महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में जाकर देखा है वहां 2013-14 से कुपोषित बच्चों को अंडे दिए जा रहे हैं। अंडे से कुपोषण दूर होता है इसलिए फैसला लिया है। आंगनवाड़ियों में अंडा परोसने के बयान के बाद भाजपा में विरोध के सुर तेज हो गए हैं। जब इमरती देवी से विरोध के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, %इस मामले में अगर पार्टी में कोई विरोध करता भी है तो करता रहे। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। बाल विकास विभाग की मंत्री मैं हूं और मैंने निर्णय कर लिया है। जरूरत होगी तो मैं मुख्यमंत्री से भी बात कर लूंगी, लेकिन बच्चों को अंडे दिए जाएंगे।% मालूम हो कि इससे पहले कमलनाथ सरकार में इमरती देवी ने बाल विकास मंत्री रहते हुए जब इस योजना को मंजूरी दी थी तो भाजपा ने जमकर विरोध किया था। पार्टी बदलने व भाजपा में मंत्री बनने के बाद इमरती देवी अपने पुराने फैसले पर अडिग हैं। अब देखने वाली बात यह है कि क्या भाजपा इमरती देवी की जिद्द के आगे घुटने टेक देगी या फिर इमरती देवी के फैसले को विरोध होगा। ऐसे में देखना रोचक होगा क्योंकि इमरती देवी सिंधिया की समर्थक है और भाजपा के लिए यह संकट की घड़ी हो सकती है वहीं यदि भाजपा उनकी हां में हां मिलाती है तो कांग्रेस इसे मुद्दा बनाएगी।

जयारोग्य चिकित्सालय समूह में मेडिकल ऑक्सीजन गैस सप्लाई करने के इच्छुक सप्लायर संपर्क करें

ग्वलियर। जयारोग्य चिकित्सालय समूह ग्वालियर में मेडीकल ऑक्सीजन गैस की सप्लाई मैसर्स शिवा कंप्रेस्ड एयर प्रोडेक्ट्स (स्कैप) द्वारा अनुबंध के तहत कराई जा रही है, लेकिन कुछ समय से मांग बढने के कारण मैसर्स शिवा कंप्रैस्ड एयर प्रोडक्ट्स उपर्युक्त मात्रा में ऑक्सीजन सप्लाई करने में असमर्थ हैं। इस कारण ग्वालियर में स्थित अन्य सप्लायर जो जयारोग्य चिकित्सालय समूह ग्वालियर में निर्धारित दरों 160 7.1 राशि 98.43 /– एवं 40 राशि 3200 /– पर सप्लाई करने के इच्छुक हों, तत्काल संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक जयारोग्य चिकित्सालय समूह ग्वालियर में संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

संस्कार मंजरी ने किया श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान समारोह

ग्वालियर। भारत अपने गुरुजनों के बल पर ही विश्व गुरू था और पुन: बनेगा ।एक अच्छा शिक्षक पूरा समाज बदल सकता है और शिक्षकों के सम्मान की रक्षा करने के लिए हम संकल्पित है। पिछली सरकार द्वारा अपने संकल्पो को पूरा न किए जाने के कारण ही हमने महाराज के नेतृत्व में उसे त्याग दिया था । भविष्य में भी हम आपके सम्मान की रक्षा करेंगें । आप निश्चित होकर देश की भावी पीढ़ी को संवारे ।उक्त विचार मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने संस्कार मंजरी के श्रेष्ठ नागरिक सम्मान में व्यक्त किए ।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने कहा. शिक्षक देश का निर्माण करता है किंतु उसका सम्मान समाज मे बना रहे यह चिंता स्वयं शिक्षक को ही करना होगी ।कोरोना काल में संस्कार मंजरी द्वारा समाज के उत्साह को बनाए रखने किए गए अनवरत कार्यक्रमों की सराहना भी उन्होंने की ।संस्कार मंजरी संस्थापिका नीलम जगदीश गुप्ता ने कहा राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के कार्यों के समक्ष यह सम्मान बहुत छोटा है ।छात्रों के मन में शिक्षक के प्रति श्रद्धा माता पिता से भी अधिक होती है ।अत: शिक्षकों को उन्हें सदैव सकारात्मक संदेश ही देने चाहिए । उन्होंने उदाहरणों से बताया कि शिक्षक के एक वाक्य को पकड़ कर कितने ही लोग महान कार्य कर गए । आभार कार्यक्रम संयोजक अनुपम आभा राठौर ने किया संचालन निरंजन घुरैया ने किया । नागरिकता के उन्नयन को समर्पित संस्था संस्कार मंजरी ने शास्त्री नगर स्थित एक होटल में कोरोना अनुदेशों का पालन करते हुए एक सादा कार्यक्रम में नगर के श्रेष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सरस्वती वंदना का सस्वर पाठ प्रतिभा द्विवेदी ने किया । श्रीमती रेखा शुक्ला, प्रो मोनिका मित्तल, श्रद्धा स्वर्णकार, संगीता श्रीवास्तव, श्रीमती बबीता सेंगर, राज किशोरी शर्मा, शर्मिला शर्मा, श्रीमती सुषमा गुप्ता, श्रीमती दीपिका अनिल जैन, श्रीमती मीरा श्रीवास्तव, श्रीमती पद्म आहूजा, श्रीमती कविता महेंद्रु, श्यामबिहारी ओझा, व्याख्याता शिक्षा महाविद्यालय, निरंजन गुर्जर, राकेश नायक, पंकज पाठक, राधेश्याम मिश्रा, अरविन्द दीक्षित, वरिंदर सिंह, विनोद सिंह भदोरिया, दिनेश चाकणकर, पीसी गुप्ता, उदय प्रकाश झा, पवन भारद्वाज, बृजेंद्र उच्चारिया, विवेक चौरसिया, आलोक त्रिपाठी, मनोज दुबे, दीपक शर्मा। इस अवसर पर माधुरी गुप्ता, ऋतु भार्गव, मथुरा रावत, रानी अग्रवाल, मीरा तिवारी, देवेंद्र दुबे, राजेश कश्यप, पुष्पराज सिकरवार, अशोक कुशवाह सहयोगी एवं संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों और अतिथियों को एक.एकब पौधा उपहार स्वरूप भेंट किया गया पर्यावरण बचाओ का संदेश भी दिया गया।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

BUNDELA DANCE ACADEMY & TRAINING CENTER
DANCE CATEGORY BOLLYWOOD FOLK, WESTERN PUNJABI, ETC.
HEMANT SIR (HERRY) DIRECTOR & CHOREOGRAPHER
EVENTS- ANNUAL FUNCTION LADIES SANGEET & MORE EVENTS.
Bundeladanceacademy21@gmail.com
+91 76102 59356, 88785 58898
TANSEN NAGAR, NEAR RELIANCE TOWER, HAZIRA GWALIOR

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478